राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 09 जून 2024 वर्ष–7,अंक–136 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

नेहरु के बाद नरेंद्र मोदी संभालेंगे तीसरी बार देश की सत्ताः धनखड़

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी के देश के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि पिछले छह दशक में ऐसा पहली बार हुआ है कि कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल कर रहा है। धनखड़ ने कहा कि 1962 से यह पहली बार है कि किसी प्रधानमंत्री को देश चलाने के लिए तीसरा कार्यकाल मिला है। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू 1962 में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री चुने गए थे। उसके बाद नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री का पदभार संभालने जा रहे हैं। अधिकारिक बयान के मुताबिक राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रतिभागियों से बात करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने अपने विचार रखते हुए सोशल मीडिया शक्ति का दोहन करने और लोकतंत्र में नुकसानदेह प्रवृत्तियों के खिलाफ सतर्क रहने का भी आग्रह किया।

शपथ ग्रहण से पहले अभेद किले में तब्दील हुई दिल्ली

नई दिल्ली । मोदी सरकार 3.0 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर रविवार को दिल्ली हाई अलर्ट पर रहेगी। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, कार्यक्रम के लिए अर्धसैनिक बल के जवानों, एनएसजी कमांडो, ड्रोन और स्नाइपर्स की पांच कंपनियों के साथ बहुस्तरीय सुरक्षा राष्ट्रपति भवन को कवर करेगी। चूँकि यह दिन सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) देशों के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति का गवाह बनने के लिए निर्धारित है, जिन्हें समारोह में आमंत्रित किया गया है, सुरक्षा कवर पिछले साल जी 20 शिखर सम्मेलन के समान होने की संभावना है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शपथ ग्रहण में शामिल होने वाले गणमान्य व्यक्तियों को उनके होटल से कार्यक्रम स्थल तक और वापस आने के लिए निर्दिष्ट मार्ग दिए जाएंगे। शपथ ग्रहण समारोह में बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, भूटान, नेपाल, मॉरीशस और सेशेल्स के शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है, जिसके लिए शहर के लीला, ताज, आईटीसी मौर्य, क्लेरिजेस और ओबेरॉय जैसे होटल बुक हैं। चूंकि कार्यक्रम राष्ट्रपति भवन के अंदर हो रहा है, इसलिए परिसर के अंदर और बाहर तीन-स्तरीय सुरक्षा होगी। दिल्ली पुलिस के स्वाट (विशेष हथियार और रणनीति) और एनएसजी के कमांडो कार्यक्रम के दिन राष्ट्रपति के घर और विभिन्न रणनीतिक स्थानों के आसपास तैनात रहने वाले है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के मद्देनजर रविवार को दिल्ली के मध्य हिस्से की ओर जाने वाली कई सड़कें बंद हो सकती हैं, या सुबह से ही यातायात में बदलाव किया जा सकता है।

1700 साल पुराने मंदिर का गुंबद मिला

सागर । सागर जिले की बीना नदी के तट पर 1700 साल पुराने समुद्रगुप्त महाराज के समय का शिलालेख और स्मारक समय-समय पर मिलते रहे हैं। हाल ही में बीना नदी के नाव घाट पर एक प्राचीन मंदिर का गुंबद दिखाई दिया है। नदी का जल स्तर बहुत कम हो गया है। पहली बार जल स्तर कम होने से प्राचीन मंदिर का गुंबद दिखा है। स्थानीय बुजुर्गों के अनुसार 200 साल पहले बड़ी भयानक बाढ़ यहाँ आई थी। जिसमें मंदिर बह गया था। संभवतः उसी मंदिर का शिखर माना जा रहा है। मध्य भारत के शासक श्रीधर बर्मन का शिलालेख भी यहां पर प्राप्त हुआ है। पहले यहां पर 1500 की आबादी वाला एक गांव था। इस क्षेत्र का ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन के निर्माण कार्य में तेजी, दो साल में होगी तैयार

चार धाम की यात्रा करना होगा आसान, समय की भी होगी बचत

नई दिल्ली। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों तक आसानी से पहुंचने के लिए कई रोड परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है, वहीं ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। एक कार्यक्रम में उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधरी ने कहा था कि यह परियोजना दिसंबर 2026 तक बनकर तैयार हो जाएगी और इस पर ट्रेन का परिचालन होने लगेगा। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन कुल 125 किलोमीटर लंबी है। इसमें 105 किलोमीटर का हिस्सा सुरंगों से गुजरेगा। रेलवे ट्रैक का काम करीब पूरा हो चुका है। इस ट्रैक पर 16 रेलवे पुल और चार छोटे रेलवे पुल बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा श्रीनगर, गढ़वाल, गोचर और कालेश्वर में रेलवे स्टेशनों को जोड़ने के लिए भी पुलों का निर्माण किया गया है। बता दें कि सतपाल महाराज के केंद्रीय मंत्री रहते 1996 में इस रेलवे लाइन का सर्वेक्षण किया था लेकिन, काम सर्वेक्षण से आगे नहीं बढ सका था। साल 2014 में केंद्र में जब मोदी सरकार बनने के बाद इस परियोजना ने गति पकड़ी और साल 2015 में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन का काम तेजी से शुरू हुआ। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग लाइन योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन को कर्णप्रयाग से जोड़ेगी। इसके तैयार होने जाने से चारधाम यमुनोत्री, गंगोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ की यात्रा करना आसान हो जाएगा। तीर्थ यात्रियों और उत्तराखंड वासियों के अलावा सेना के लिए भी यह रेलवे लाइन बहुत महत्वपूर्ण है। इसके बन जाने से चीन की सीमा तक सैनिकों और सैन्य साजो-सामान पहुंचाना आसान हो जाएगा। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन बिछाने पर करीब 16,200 करोड़ रुपये खर्च आएगा। इस रेलवे लाइन से दोनों शहरों के बीच आने-जाने में समय की बचत होगी।

एनडीए 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत पर चलने वाला स्वाभाविक गठबंधन

-नरेंद्र मोदी बने एनडीए के नेता, आज लेंगे मंत्रियों के साथ शपथ

नई दिल्ली। (एजेंसी)

एनडीए संसदीय दल की बैठक में नरेंद्र मोदी को एनडीए का नेता चुना गया। नेता चुने जाने के बाद नरेंद्र मोदी ने एनडीए को 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत पर चलने वाला स्वाभाविक गठबंधन बताया। एनडीए के संसदीय दल की बैठक के बाद उन्होंने कहा कि वह अपनी अगली सरकार के सभी फैसले सर्वसम्मति तय करने का प्रयास करेंगे। आपसी विश्वास इस गठबंधन के मूल में है और वे 'सर्व पंथ समभाव' के सिद्धांत पर चलते हैं। बैठक के बाद नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। राष्ट्रपति ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। रविवार को शपथ ग्रहण हो सकता है। शपथ ग्रहण से पहले राष्ट्रपति को मंत्रियों की सूची सौंपी जाएगी। मोदी की अगुआई में नया मंत्रिमंडल भी पद और गोपनीयता की शपथ लेगा। इसमें आंध्र प्रदेश और बिहार से ज्यादा मंत्री हो सकते हैं। बैठक में बीजेपी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा था। बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू के प्रमुख नीतीश कुमार ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि जेडीयू नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हर दिन बीजेपी के साथ खड़ी रहेगी। एनडीए में सहयोगी दल तेलुगू देशम पार्टी के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास के लिए क्षेत्रीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय हितों का संतुलन बनाते हुए चलना चाहिए। मोदी भारत के लिए सही समय पर सही नेता हैं। नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दलों पर हमला बोला कहा कि हम कभी नहीं हारे। 4 जून के बाद हमारा आचरण दिखाता है कि हमें जीत को पचाना आता है। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश के इतिहास में सबसे सफल गठबंधन है। इसने तीन सफल कार्यकाल पूरे कर लिए हैं और अब अपने चौथे में प्रवेश कर रहा है। एनडीए उन दलों का समूह नहीं है जो सत्ता पाने के लिए एक साथ आए हैं, यह 'राष्ट्र प्रथम' के लिए प्रतिबद्ध है।

चंद्रबाबू नायडू ने इस अवसर पर क्षेत्रीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय हितों का संतुलन बनाकर चलने की जरूरत बताई। एनडीए संसदीय दल की बैठक में सहयोगी दल जनता दल-सेक्युलर के नेता एच डी कुमारस्वामी, शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष अजित पवार, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान, हम (एस) के प्रमुख जीतन राम मांझी समेत सभी सहयोगी दलों के नेताओं ने नरेंद्र मोदी को एनडीए का नेता चुनने के प्रस्ताव का समर्थन किया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए नरेंद मोदी ने कहा कि विपक्षी पार्टी 100 सीटों के आंकड़ा भी नहीं छू सकी और पिछले तीन लोकसभा चुनावों में उनकी जितनी सीटें आई हैं, वे बीजेपी की इस चुनाव की सीटों से भी कम हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए के घटक दलों का आपसी भरोसे का सेतु मजबूत है और यह अटूट रिश्ता विश्वास के मजबूत धरातल पर है। उन्होंने कहा कि यह सबसे बड़ी पूंजी होती है।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष बनेंगे राहुल गांधी !

रायबरेली या फिर वायनाड पर अगले 72 घंटे में हो जाएगा फैसला

नई दिल्ली । (एजेंसी)

कांग्रेस कार्य समिति ने पार्टी नेता राहुल गांधी को सर्वसम्मति से लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाने का प्रस्ताव पारित किया और कहा कि गांधी ही लोकसभा में पार्टी के मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठा सकते हैं। गांधी ने कहा है कि वह कार्यसमति के निर्णय पर बहुत जल्द फैसला लेंगे। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल तथा पार्टी के संचार विभाग प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार को कार्य समिति की बैठक के बाद पार्टी मुख्यालय में हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कार्य समिति ने गांधी को विपक्ष का नेता बनने का प्रस्ताव पारित किया है। उम्मीद है कि राहुल गांधी प्रस्ताव को स्वीकार कर लेंगे। वेणुगोपाल ने कहा कि कार्य समिति ने सर्वसम्मति से राहुल गांधी से लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद संभालने का अनुरोध किया है। गांधी इसके लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं और वह संसद में पार्टी के मुद्दों को शिद्दत के साथ उठाने और पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं। उन्होंने कहा कि कार्य समिति की बैठक में उत्साह का माहौल था और सभी नेता लोक सभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन से उत्साहित थे। नेताओं के मूड से लग रहा था कि उन्हें भरोसा हो गया है कि कांग्रेस का पुनरुद्धार का कार्य अब शुरू हो गया है।

10 साल से नेता प्रतिपक्ष का पद खाली

लोकसभा में पिछले 10 साल से नेता प्रतिपक्ष का पद खाली है। 2014 में कांग्रेस को 44 सीटें और 2019 में 52 सीटें मिली थीं। भाजपा के बाद सबसे ज्यादा सीटें कांग्रेस को मिली थीं। फिर भी कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी नहीं मिली थी। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए किसी भी पार्टी के पास लोकसभा की कुल सीटों का 10 प्रतिशत सीटें होना चाहिए। यानी 543 सीटों में से कांग्रेस को इसके लिए 54 सांसदों की जरूरत होती है। कांग्रेस ने इस बार अपने दम पर 99 सीटें हासिल की हैं।

रायबरेली या फिर वायनाड चार दिन में होगा फैसला

गांधी रायबरेली या वायनाड में से अपने पास कौन सी सीट रखेंगे उन्होंने कहा कि इस बारे में तीन-चार दिन में फैसला लिया जाएगा। जनता दल-यू अध्यक्ष तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इंडिया समूह की तरफ से प्रधानमंत्री बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

365 दिन लोगों के बीच रहना होगा

बैठक में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरग ने इस बात पर जोर दिया कि सत्ता में हो या नहीं, हमें निरंतर काम करते रहना है। उन्होंने कहा कि 24 घंटे, 365 दिन लोगों के बीच रहना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति देशभर में फैले कांग्रेस पार्टी के नेताओं और करोड़ों कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करती है, जिन्होंने पिछले कुछ महीनों में अथक परिश्रम किया। मैं आपकी दृढ़ इच्छा शक्ति, संकल्प और परिश्रम के लिए बधाई देता हूं।

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे 7 पड़ोसी देश

नई दिल्ली। (एजेंसी)

एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन 9 जून को किया जा रहा है। इस समारोह में शामिल होने के लिए सात पड़ोसी देशों को न्यौता भेजा गया है। खबर आ रही है कि सभी ने कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दे दी है। सूत्रों के अनुसार नेपाल, भूटान, बंगलादेश, श्रीलंका, मालदीव, सेशेल्स और मारीशस के नेताओं को रविवार शाम सात बजे राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के निमंत्रण पत्र भेजा गया है।नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोब्गे, बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के राष्ट्रपति वेवेल रामकलावन, मारीशस के प्रधानमंत्री प्रविन्द जगन्नाथ के आने संभावना है। सूत्रों के अनुसार मेहमान नेताओं का आगमन शनिवार से शुरू हो जाएगा और सोमवार को प्रधानमंत्री श्री मोदी उनके साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे।

भीषण गर्मी से जल्द मिलेगी राहत, इस राज्य में भारी बारिश की संभावना; मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

(एजेंसी)

केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के लगातार जारी रहने के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को राज्य के पांच जिलों में भारी बारिश की संभावाना जताते हुए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया। आईएमडी के अनुसार, पथनमथिट्टा के दक्षिणी जिले और कोझिकोड वायनाड, कन्नूर और कासरगोड के उत्तरी जिलों को दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। मौसम एजेंसी ने राज्य के आठ जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' भी जारी किया है, जिसमें तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, अलाप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्णाकुलम, त्रिशूर और मलप्पुरम में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है7 रेड अलर्ट 24 घंटों में 20 सेमी से अधिक की भारी से अत्यधिक भारी बारिश का संकेत देता है, जबकि ऑरेंज अलर्ट का मतलब 11 सेमी से 20 सेमी की बहुत भारी बारिश है, और पीले अलर्ट का मतलब 6 सेमी और 11 सेमी के बीच भारी बारिश है। भारी बारिश खतरे पैदा करती है, इसलिए केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। इस बीच, जिला अधिकारियों ने कहा कि तिरुवनंतपुरम में अरुविक्कारा बांध के गेट शनिवार सुबह 25 सेमी ऊपर उठा दिए गए। उन्होंने कहा कि आने वाले घंटों में गेट और ऊंचे किए जा सकते हैं तथा आसपास रहने वाले लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए।

मोदी सरकार 3.0 के शपथ ग्रहण में शामिल होने दिल्ली पहुंची शेख हसीना

कार्यक्रम में आने वाली पहली विदेशी मेहमान

नई दिल्ली । (एजेंसी)

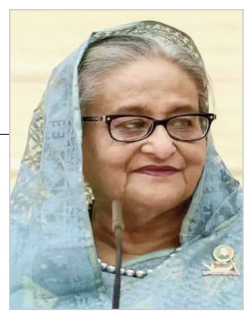

मोदी सरकार 3.0 के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए विशिष्ट अतिथियों के आगमन की शुरुआत बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिल्ली पहुंचने के साथ हो गई है। सचिव (सीपीवी और ओआईए) मुक्तेश परदेशी ने पीएम हसीना का हवाई अड्डे पर स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पोस्ट में कहा, पीएम और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह के लिए पहले विशिष्ट अतिथि ने नई दिल्ली में कदम रखा। प्रधानमंत्री शेख हसीना के नई दिल्ली पहुंचने पर सचिव पारदेशी ने उनका स्वागत किया। हमारे सबसे मूल्यवान भागीदारों में से एक की यह यात्रा दोस्ती के घनिष्ठ और गहरे संबंधों को और मजबूत करेगी। शेख हसीना रविवार को प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए एक दिन पहले ही ढाका से रवाना हो गईं। शेख हसीना प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के बाद 10 जून को दोपहर में स्वदेश लौट आएगी। पिछले कुछ वर्षों में भारत और बांग्लादेश ने बहुआयामी संबंध स्थापित किया है, जो साझा इतिहास, संस्कृति और भौगोलिक निकटता द्वारा चिह्नित है। पड़ोसी क्षेत्र और हिंद महासागर क्षेत्र के कई नेताओं और राष्ट्राध्यक्षों को प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है, जो भारत की पड़ोसी पहले नीति का प्रमाण है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बताया कि श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जे जू, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की कार्यकर्ताओं को नसीहत.....

24 घंटे 365 दिन जनता के बीच रहो

नई दिल्ली । (एजेंसी)

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में शनिवार को दिल्ली की अशोक होटल में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से नेता विपक्ष बनने के लिए पार्टी सदस्यों ने अनुरोध किया। इस पर राहुल ने सोच-विचार करने के लिए समय मांगा। शाम 5.30 बजे संसद के सेंट्रल हॉल में कांग्रेस की संसदीय दल की बैठक होगी। इसमें संसदीय दल का नेता चुना जाएगा। लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद पहली बार कांग्रेस भी बड़ी बैठक कर रही है। बैठक की शुरुआत में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने देशभर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को धन्यवाद दिया है। खरगे ने कहा, जनता ने तानाशाही और असंवैधानिक ताकतों को तगड़ा जवाब दे दिया है।

लोगों को कांग्रेस में भरोसा है। देश के वोटर्स ने बीजेपी के 10 साल के शासन को नकारा है। बीजेपी ने देश में बांटने की और घृणा की राजनीति की है। सीडब्ल्यूसी की तरफ से खरगे ने नवनिर्वाचित सांसदों को बधाई दी। उन्होंने कहा, हम लड़े और जीते। परिस्थितियां प्रतिकूल थीं फिर भी हमारी जीत हुई। खरगे ने पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी चुनाव के दौरान सक्रिय रहने के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर खरगे ने राहुल गांधी को धन्यवाद देकर कहा कि उनकी वजह से ही देश में संविधान के बारे में विचार, आर्थिक असमानता, बेरोजगारी और सामाजिक न्याय के मुद्दे उठाए गए और जनता को ये बातें समझ में भी आईं। भारत जोड़ो यात्रा के असर के बारे में खरगे ने कहा, कांग्रेस पार्टी के वोट शेयर और सीट दोनों में बढ़ोतरी हुई है।

जहां से भी कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा निकली है, वहां खासा असर देखने को मिला है। मणिपुर इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा, मणिपुर में कांग्रेस को दोनों सीटों पर जीत मिली। इसके अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों नगालैंड, असम, मेघालय में भी कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली है। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस के गठबंधन का लोगों ने खूब समर्थन किया। खरगे ने कहा कि एससी, एसटी और ओबीसी ने भी कांग्रेस पर भरोसा जताया है। ग्रामीण इलाकों में कांग्रेस को अच्छा समर्थन मिला है। हालांकि शहरी क्षेत्रों में अभी काम करने की जरूरत है। कई राज्यों के शहरी इलाके हैं जहां कांग्रेस ने विधानसभा के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन इस बार विफल रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने इंडिया गठबंधन के दलों को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, सभी दलों ने अलग-अलग राज्यों में अहम भूमिका निभाई है। हमारी यही इच्छा है कि हमारे बीच यूं ही सहयोग बना रहे। हमें संसद के अंदर और बाहर मिलकर काम करना है। उन्होंने कहा, 'मैं प्रियंका गांधी वाड्रा को खास तौर पर बधाई देना चाहूंगा जिन्होंने अमेठी और रायबरेली के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों में भी जोरदार प्रचार किया। मैं कांग्रेस के अपने सभी वरिष्ठ सहयोगियों को धन्यवाद दूंगा जिन्होंने एक टीम की तरह काम किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तीसरा कार्यकाल

नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने की दिशा में कदम बढ़ा चुके हैं और उन्हें आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संसदीय दल का नेता चुन लिया गया है। नेता चुने जाते ही नरेंद्र मोदी ने उचित ही आश्वस्त किया कि वह अपनी अगली सरकार के सभी फैसलों में सर्वसम्मति सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे। वह पहले भी गठबंधन की सरकार चला चुके हैं, मगर इस बार गठबंधन पर उनकी निर्भरता है। ऐसे में, सहयोगी दलों के साथ मिलकर चलना इस कार्यकाल की मांग है। यह अपने आप में सुखद है कि उनकी आगामी सरकार में दक्षिण भारत से चंद्रबाबू नायडू का मजबूत प्रतिनिधित्व रहेगा, तो उत्तर भारत से सबसे बड़े सहयोगी नीतीश कुमार रहेंगे। नायडू और नीतीश कुमार, दोनों को विश्वास में लेते हुए अगर केंद्र सरकार काम करती है, तो जाहिर है, विपक्ष को भी उसे अस्थिर करने के ज्यादा मौके नहीं मिलेंगे। विपक्ष तो इसी ताक में हमेशा रहेगा कि एनडीए में फूट पड़े और भाजपा कमजोर हो। खैर, अब यह भारतीय इतिहास में दर्ज हो गया है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने संसदीय दल के नेता के रूप में नरेंद्र मोदी का नाम प्रस्तावित किया और उनके प्रस्ताव का अमित शाह, तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, बिहार के मुख्यमंत्री व जद-यू प्रमुख नीतीश कुमार और अन्य नेताओं ने समर्थन किया। प्रधानमंत्री के नाम पर गठबंधन में सर्वसम्मति है और अब उनके भावी कार्यकाल की ओर सबकी निगाह रहने वाली है। नरेंद्र मोदी भी अपने तीसरे कार्यकाल का महत्व अच्छी तरह समझ रहे हैं और इसी रोशनी में उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि अगले दशक में भारत के लिए उनका व्यक्तिगत सपना सुशासन, विकास और प्रत्येक नागरिक के जीवन में सुधार पर केंद्रित होगा। उन्होंने यह भी कहा है कि लोगों के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप कम करने से हमारा लोकतंत्र ही मजबूत होगा। वाकई अपने देश में अभी भी कोई नई पहल या किसी नए उद्यम की स्थापना आसान नहीं है। लोगों को तरह-तरह से परेशान करने वाली प्रक्रियाएं हैं, पुलिस के पास जरूरत से ज्यादा शक्तियां हैं, अतः नई सरकार अगर सामान्य जन-जीवन में सरकारी हस्तक्षेप को न्यूनतम कर सकी, तो यह एक बड़ा बदलाव होगा। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि हम विकास, सुशासन और समावेशी भागीदारी की एक नई यात्रा शुरू कर रहे हैं। वाकई, इसकी इस देश को जरूरत है। गौर करने की बात है कि शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने संविधान को अपने माथे से लगाया, उनका यह कृत्य दरअसल विपक्ष को दिया गया जवाब था। चुनाव प्रचार के दौरान यह बार-बार कहा गया था कि भाजपा सत्ता में आई, तो संविधान बदल देगी। नरेंद्र मोदी का संबोधन एनडीए और भाजपा, दोनों को ही बल प्रदान करेगा। आज मिलकर चलने की जरूरत है। प्रधानमंत्री के संबोधन से साफ लगता है कि आगामी दिनों में समाज में परस्पर कटुता कम होगी। गरीबों को आर्थिक-सामाजिक रूप से ऊपर लाया जाएगा और अमीरों को देश के विकास व रोजगार के प्रति जवाबदेह बनाया जाएगा। भारत जैसे विविधता भरे समाज में तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री बनने की कामयाबी किसी चमत्कार से कम नहीं है, इस चमत्कार को लोगों के जीवन में सकारात्मक भाव से उतरना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

जंग ए आजादी और बिरसा मुंडा का उलगुलान

(लेखिका-निमिषा सिंह)

(कल 9 जून बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि विशेष)

हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वोच्च बलिदान और निःस्वार्थ भावना ने इतिहास के पन्नों पर अपनी पहचान दर्ज की है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन लिखित इतिहास का लिखित हिस्सा है परंतु असंख्य ऐसे निःस्वार्थ साहसी स्वतंत्रता सेनानी भी रहे हैं जिनका योगदान उजागर नहीं हुआ या जिनकी अनदेखी की गई। इन नायकों को याद किए बिना भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की कहानी को पूर्ण रूप नहीं दिया जा सकता। स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। निसंदेह जनजातीय प्रतिरोध आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अभिन्न अंग था। भारतीय इतिहासकारों ने 1857 की क्रांति को स्वतंत्रता संग्राम का प्रथम आंदोलन बताया है। वास्तव में 1857 से 100 साल पहले ही आदिवासियों ने आजादी के आंदोलन का बिगुल फूंक दिया था। 1857 की क्रांति से पहले 1780 में संथाल में तिलका मांझी के नेतृत्व में दामिन संग्राम लड़ा गया। 1830-32 में बुधू भगत के नेतृत्व में देश लरका आंदोलन का गवाह बना। 1855 में आजादी की यही ज्वाला सिधु-कान्हू क्रांति के रूप में जल उठी।तिलकामांझी,बिरसा मुंडा,ताना भगत,सिद्धो कान्हू,टंटया भील, जोरिया भगत और गोविंद गुरु ये सभी आदिवासियों के वो महानायक है जिन्होंने अपने अपने क्षैत्रो में अंग्रेजी हुकूमत एवं देशी रियासतों के शोषण अन्याय एवं अत्याचार के ख़िलाफ़ बड़ी लड़ाईयां लड़ी और देश की आजादी में अपना महत्तम योगदान दिया। ये वो महानायक थे जिन्होंने अपने संघर्ष से अपने समय को बदल दिया था। जनजातीय प्रतिरोध आंदोलन भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का एक अभिन्न अंग था। इस ऐतिहासिक आंदोलन में बिरसा मुंडा, रानी गैदिन्ल्यू, लक्ष्मणनायक और वीर सुरेंद्रसाई जैसे प्रतिष्ठित आदिवासी नेताओं तथा अन्य लोगों ने भी ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। कई साहित्यकारों एवं लेखकों ने अपने साहित्य को आदिवासी व वंचित समुदायों के जनजीवन को गहराई से देखकर रचा और उनके संघर्ष को अपनी लेखनी के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की । इसी क्रम में महाश्वेता देवी के उपन्यास चोट्टि मुंडा और उसका तीर कमान में आदिवासी जीवन के साथ जिस नायक पर केंद्रित है वें हैं बिरसा मुंडा। चोट्टि मुंडा और उसका तीर' में महाश्वेता देवी ने आदिवासियों द्वारा अपनी आजादी छिन जाने की आहट से बेचैन होने और बिरसा मुंडा के नेतृत्व में उस आजादी को बचाने के संघर्ष को बड़ी खूबसूरती से गूंथा है। आदिवासी साहित्य में उलगुलान की ध्वनि आज भी गूंजती है। आदिवासियों के महानायक बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के आदिवासी दम्पति सुगना और करमी के घर हुआ था। भारतीय इतिहास में बिरसा मुंडा एक ऐसे नायक थे जिन्होंने भारत के झारखंड में अपने क्रांतिकारी चिंतन से उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नवीन सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया। झारखंड में अंग्रेजी शासन लागू होने से आदिवासियों को अपनी स्वतंत्र और स्वायत्तता पर खतरा महसूस होने लगा था। आदिवासी समुदाय के बारे में यह माना जाता है कि वह दूसरे समुदाय की अपेक्षा अपनी स्वतंत्रता वह अधिकारों को लेकर ज्यादा संवेदनशील रहा है। आदिवासियों की जिंदगी उनकी संस्कृति उनके सामाजिक जीवन का ताना-बाना जंगलों के साथ इतनी गहराई से जुड़ा होता है कि वह आजीविका के साथ-साथ कभी-कभी आजीविका से ऊपर उठकर भी अपनी जमीन और जंगल के संरक्षण के लिए हुकूमत की जड़े हिलाकर रख देते हैं। इसी क्रम में जब अंग्रेजों ने आदिवासियों से उनके जल जंगल जमीन को छीनने की कोशिश की तो उलगुलान आंदोलन हुआ। इस उलगुलान का ऐलान करने वाले बिरसा मुंडा थे। बिरसा मुंडा ने अबुआ राज एते जाना, महारानी राज टुंडा जाना अर्थात हमारा राज आएगा और इंग्लैंड की महारानी का राज जाएगा का नारा देकर उलगुलान का ठीक वैसे ही नेतृत्व किया जैसे बाद में स्वतंत्रता की लड़ाई के दूसरे नायकों ने इस तरह के नारे देकर देशवासियों के भीतर जोश पैदा किया। निश्चित तौर पर बिरसा मुंडा एक असाधारण स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने अंग्रेजों से लोहा लिया। हालाँकि पहले जितने भी विद्रोह हुए वह सिर्फ जमीन बचाने के लिए हुए। तीन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आंदोलन किया पहले वह जल जंगल जमीन जैसे संसाधनों की रक्षा करना चाहते थे दूसरा नारी की रक्षा और सुरक्षा तथा तीसरा और अंतिम वे अपने समाज की संस्कृति की मर्यादा को बनाए रखना चाहते थे। 1894 में सभी मुंडाओं को संगठित कर बिरसा ने अंग्रेजों से लगान माफी के लिए आंदोलन चलाया। 1895 में उन्हें गिरफ्तार कर हजारीबाग केंद्रीय कारागार में 2 साल के कारावास की सजा दी गई। जेल से बाहर आए तो उन्हें अनुभव हुआ कि विद्रोह के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है क्योंकि ब्रिटिश सत्ता कानून की आड़ में आदिवासियों को घेर रही है। महज 25 वर्ष की उम्र में दुनिया से अलविदा होने वाले बिरसा मुंडा ऐसे समय में झारखंड जैसे सुदूर एवं जंगली इलाके में अंग्रेजों के साथ संघर्ष कर रहे थे जब भारत में इस तरह के संघर्षों की शुरुआत भी नहीं हुई थी।

झारखंड और आदिवासी समाज समस्या की तरफ समस्याओं की तरफ धकेला जा रहा है इसे बिरसा मुंडा ने पहले ही भाग लिया था उन्हें यह लग गया कि अंग्रेज का राज का उनके जीवन में प्रवेश नहीं है बल्कि उनकी आजादी और आत्मनिर्भरता में बाहरी आक्रमण है। इतिहास गवाह है कि 1807 से 1900 के मुंडाओं और अंग्रेज सिपाहियों के बीच युद्ध होते रहे। 1897 में बिरसा और उनके चार सौ साथियों ने तीर कमानों से खूंटी थाने पर धावा बोला। जंगलों में तीर और कमान उनके सबसे कारगर हथियार रहे हैं। 1898 में तांगा नदी के किनारे मुंडाओं की भिड़ंत अंग्रेजी सेनाओं से हुई जिसमें अंग्रेजी सेना हार गई। बाद में उस इलाके से बहुत से आदिवासी नेताओं की गिरफ्तारियां हुई। जनवरी 1900 में डोमबाड़ी पहाड़ी पर एक संघर्ष हुआ था, जिसमें बहुत से बच्चे और औरतें भी मारे गये थे। उस जगह बिरसा अपनी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। दरअसल बिरसा के जेल से आने के बाद अंग्रेजी सरकार ने समझ लिया कि बिरसा उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती है। उन्हें घेरने की हर संभव कोशिश भी बेकार साबित हो रही थी। दुर्भाग्य रहा कि अंग्रेजो के प्रलोभन में आकर 4 फरवरी 1900 को जराई केला के रोगतो गांव के सात मुंडाओं ने 500 रुपये इनाम के लालच में सोते हुए बिरसा को खाट सहित बांधकर बंदगांव लाकर अंग्रेजों को सौंप दिया। अदालत में बिरसा पर झूठा मुकदमा चला और उसके बाद उन्हें जेल में डाल दिया गया। वहां उन्हें अंग्रेजों ने धीमा जहर दिया, जिससे 9 जून 1900 को बिरसा की मृत्यु हो गई। अंग्रेजों ने यह संदेश देने की कोशिश की उनकी मृत्यु स्वभाविक हुई, क्योंकि बिरसा की मौत की बजाय हत्या की खबर फैलती तो आदिवासियों के गुस्से को रोक पाना असंभव हो जाता। बिरसा नही मरा था बल्कि मुंडाओं का भगवान मर चुका था। राष्ट्रीय आंदोलनों में सबसे बड़ा नरसंहार 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड को माना जाता है जिसमे 379 लोग शहीद हुए थे। इसकी तुलना में 1855 में सिहू और कान्हू के विद्रोह में 10,000 आदिवासी शहीद हुए थे। आदिवासियों के ऐसे कई आंदोलन हुए हैं। यह अलग बात है कि इतिहासकारों ने कहीं भी इन आंदोलनों का जिक्र तक नहीं किया है। निःसंदेह स्वतंत्रता आन्दोलन में आदिवासियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। आज सही इतिहास लेखन की आवश्यकता है। मुंडा और उसका तीर' में महाश्वेता देवी ने आदिवासियों द्वारा अपनी आजादी छिन जाने की आहट से बेचैन होने और बिरसा मुंडा के नेतृत्व में उस आजादी को बचाने के संघर्ष को बड़ी खूबसूरती से गूंथा है। आदिवासी साहित्य में उलगुलान की ध्वनि आज भी गूंजती है। झारखंड में अंग्रेजी शासन लागू होने से झारखंड के आदिवासियों को अपनी स्वतंत्र और स्वायत्तता पर खतरा महसूस होने लगा। आदिवासी समुदाय के बारे में यह माना जाता है कि वह दूसरे समुदाय की अपेक्षा अपनी स्वतंत्रता वह अधिकारों को लेकर ज्यादा संवेदनशील रहा है। आदिवासियों की जिंदगी उनकी संस्कृति उनके सामाजिक जीवन का ताना-बाना जंगलों के साथ इतनी गहराई से जुड़ा होता है कि वह आजीविका के साथ-साथ कभी-कभी आजीविका से ऊपर उठकर भी अपनी जमीन और जंगल के संरक्षण के लिए हुकूमत की जड़े हिलाकर रख देते हैं। इसी क्रम में जब अंग्रेजों ने आदिवासियों से उनके जल जंगल जमीन को छीनने की कोशिश की तो उलगुलान आंदोलन हुआ। इस उलगुलान का ऐलान करने वाले बिरसा मुंडा थे। बिरसा मुंडा ने अबुआ राज एते जाना, महारानी राज टुंडा जाना अर्थात हमारा राज आएगा और इंग्लैंड की महारानी का राज जाएगा का नारा देकर उलगुलान का ठीक वैसे ही नेतृत्व किया जैसे बाद में स्वतंत्रता की लड़ाई के दूसरे नायकों ने इस तरह के नारे देकर देशवासियों के भीतर जोश पैदा किया। निश्चित तौर पर बिरसा मुंडा एक असाधारण स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने अंग्रेजों से लोहा लिया। हालाँकि पहले जितने भी विद्रोह हुए वह सिर्फ जमीन बचाने के लिए हुए। तीन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आंदोलन किया पहले वह जल जंगल जमीन जैसे संसाधनों की रक्षा करना चाहते थे दूसरा नारी की रक्षा और सुरक्षा तथा तीसरा और अंतिम वे अपने समाज की संस्कृति की मर्यादा को बनाए रखना चाहते थे। 1894 में सभी मुंडाओं को संगठित कर बिरसा ने अंग्रेजों से लगान माफी के लिए आंदोलन चलाया।

मैक्सिको में सिर चढ़ बोला शीनबाम का काम चर्चा में चेहरा

अरुण नैथानी

यह साल पूरी दुनिया में बड़े लोकतंत्रों में चुनावों का साल है। भारत में लंबे चुनाव अभियान के बाद सरकार बनने जा रही है, तो हाल ही के महीनों में पाक व बांग्लादेश में चुनाव संपन्न हुए हैं। सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के बाद अब दुनिया के सबसे ताकतवर लोकतंत्र अमेरिका में चुनावों की गहमागहमी शुरू हो चुकी है। इस बीच लैटिन अमेरिकी देश मैक्सिको से एक उम्मीद जगाती खबर आई है। इस देश की आजादी के दौ सौ सालों में पहली बार एक महिला राष्ट्रपति बनी है। क्लाउडिया शीनबाम की लोकप्रियता का आलम यह है कि उन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी को दुगने से अधिक वोटों के अंतर से हराया। उन्हें अपनी निकटतम महिला प्रतिद्वंद्वी गैल्वेज रुईज से तीस फीसदी अधिक मत मिले। पूर्व सीनेटर एवं तकनीकी उद्यमी गैल्वेज ने मादक पदार्थों से जुड़े गिरोहों से निपटने का वादा किया था। दरअसल, क्लाउडिया शीनबाम का शानदार अकादमी करिअर रहा है। वे मूलतः जलवायु वैज्ञानिक रही हैं। उन्होंने भौतिक विज्ञान और ऊर्जा इंजीनियरिंग में शिक्षा हासिल की है। कालांतर में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की है। इतना ही नहीं, शीनबाम वर्ष 2007 में नोबेल पीस प्राइज पुरस्कार पाने वाली मैक्सिको की इंटर गवर्नमेंटल कमेटी का हिस्सा रही हैं। यह बेहद महत्वपूर्ण बात है कि दुनिया के एक बड़े कैथोलिक देश में राष्ट्रपति के पद पर यहूदी महिला शीनबाम की ताजपोशी हुई है। लेकिन उन्होंने यह जगह अपने काम के बूते बनायी है। वे लंबे समय से मैक्सिको में वामपंथी राजनीति में सक्रिय रही हैं। यह विचित्र संयोग ही है कि एक तेल उत्पादक देश में सौर ऊर्जा की समर्थक रही हैं। पर्यावरण इंजीनियर के रूप में काम करने से पहले एक बैले डांसर भी रही हैं। उनकी पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता देखकर ही राष्ट्रपति लोपेज ने शीनबाम को अपने साथ जोड़ा था। हालांकि, अपने राजनीतिक गुरु निवर्तमान राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर की सरकार में शीनबाम पर्यावरण मंत्री रही हैं। उनकी लोपेज के प्रति प्रतिबद्धता को देखकर उनके विरोधी आरोप लगाते हैं कि वह एक कठपुतली राष्ट्रपति की तरह काम करेंगी। दरअसल, बेहद अनुशासित और जुनूनी शीनबान खामोशी के साथ काम करने में यकीन करती हैं और अपनी उपलब्धियों का बखान करने से परहेज करती हैं। शीनबान मैक्सिकों में महिलाओं के खिलाफ व्यापक हिंसा के खिलाफ सख्त कदम उठाने में यकीन करती हैं। यही वजह है कि उन्हें हालिया चुनाव में महिलाओं का व्यापक समर्थन मिला है। इस चुनाव में भी महिला प्रत्याशियों के खिलाफ व्यापक हिंसा की खबरें आई हैं। निस्संदेह कार्टेल हिंसा व अवैध प्रवास की समस्या को दूर करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। दरअसल, राष्ट्रपति बनने से पहले क्लाउडिया शीनबाम मैक्सिको सिटी की पहली महिला मेयर रह चुकी हैं। उनके महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता की चर्चा मैक्सिको ही नहीं, पूरी दुनिया में हुई। खासकर उन्होंने अपराधों पर नियंत्रण के लिये जो सुनियोजित अभियान चलाए, उसके चलते इस शहर के अपराधों में पचास फीसदी तक की कमी आई थी। क्लाउडिया ने मैक्सिको सिटी की मेयर रहते हुए कारगर रणनीति व पुलिस के आधुनिकीकरण से अपराधों पर नियंत्रण में बड़ी सफलता पाई। पुलिस को खुफिया ताकत देकर तथा अपराध नियंत्रण में नागरिकों की भूमिका

बढ़ाकर उन्होंने गैंगवार की कमर तोड़ी थी। उन्होंने पुलिसकर्मियों को हाइटैक अपराधों से निपटने के लिये प्रशिक्षित किया। संगठित अपराधियों की कमर तोड़ने के लिये उन्होंने कम्युनिटी पुलिसिंग के सफल प्रयोग भी किये। जिसमें उन्हें संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न संगठनों की मदद भी मिली। साथ ही नागरिकों को सोशल मीडिया के माध्यम से सुरक्षा प्राप्त करने के उपायों की जानकारी भी दी गई। इतना ही नहीं, युवाओं को अपराध से दूर करने के लिए विशेष कार्यक्रम संचालित किये गए। युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा दी गई। उनकी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी बढ़ाई गई। वे अपराध की दुनिया से दूर रहें, इसलिए खेलों में भागीदारी बढ़ाई गई। उनके लिये रोजगार के नये अवसर सृजित किये गए। दरअसल, राजनेताओं की आदत हो गई है कि वे नागरिकों को नित नये सपने दिखाते हैं और बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आता। यही वजह है कि जनता कुछ समय बाद खोखले वादों से तंग आकर नेतृत्व बदलाव की राह पर चल देती है। लेकिन मैक्सिको में बदलाव को अंजाम देने वाली क्लाउडिया के कामों से प्रभावित होकर जनता ने उन्हें देश के सर्वोच्च पद पर बैठा दिया। उल्लेखनीय है कि मैक्सिको के संविधान के अनुसार राष्ट्रपति का कार्यकाल छह वर्ष का होता है और वह व्यक्ति दुबारा राष्ट्रपति नहीं बन सकता। निश्चित रूप से पितृसत्तात्मक मैक्सिको के समाज में शीनबाम की ताजपोशी इस देश में बड़े बदलाव की प्रतीक है। मैक्सिको में मोरेना पार्टी की सदस्या शीनबाम ने मैक्सिको की जनता को विश्वास दिलाया है कि वे पूर्व राष्ट्रपति लोपेज ओब्रेडोर की लोककल्याणकारी नीतियों को आगे बढ़ाने के लिये काम करती रहेंगी। बहरहाल, सदियों से पुरुष प्रधान समाज के रूप में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के लिये चर्चित मैक्सिको में शीनबाम जमीनी हकीकत में कितना बदलाव ला पाती हैं, ये आने वाला वक्त बताएगा। लेकिन इस देश की महिलाओं को शीनबाम से बड़ी उम्मीदें हैं कि वे इस देश के लिये ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में लैंगिक समानता के लिये उम्मीद की किरण बनेंगी।

विचार मंथन

सत्ता को संदेश देने शांतिपूर्ण ढंग से जनता ने किया बदलाव

(लेखक- सनत जैन)

भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में शामिल एम वेंकैया नायडू ने कहा है कि नागरिकों को जो बदलाव करना था, जनता ने लोकसभा चुनाव के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से बदलाव किया है। नायडू ने कहा, लोकसभा के चुनाव ने यह साबित कर दिया है कि भारत एक महान लोकतांत्रिक देश है। सभी को समझ लेना चाहिए, दुनिया के देशों में भारत को एक महान लोकतंत्र क्यों कहा जाता है। भारत के करोड़ों लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से मतदान किया, जनता जो बदलाव चाहती थी। शांतिपूर्ण तरीके से अंजाम तक पहुंचाने का काम जनता ने किया है। नायडू ने स्पष्ट रूप से कहा, चुनाव के जरिए जनता ने बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है सत्ता में बैठे हुए लोग इस संदेश को समझेंगे। वेंकैया नायडू ने गुजरात के आणंद में ग्रामीण प्रबंधन संस्थान के 43 में दीक्षांत समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। यहां नायडू ने कहा, कि सत्तारूण भाजपा अपने दम पर बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने में विफल साबित हुई है। वहीं इंडिया गठबंधन ने प्रभावशाली ढंग से जनता की बात को इस चुनाव मैदान में जनता के सामने रखा। जनता का समर्थन इंडिया गठबंधन को मिला। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने संबोधन के जरिए भाजपा को बहुत बड़ा संदेश भी दिया है। राजनीतिक दलों की सर्वोच्च प्राथमिकता गरीबों और वंचितों के लिए काम करना होनी चाहिए। चुनाव की जीत हार से अलग सोचते हुए, राजनीतिक दलों को गरीबों और वंचितों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत की 60 फ़ीसदी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। यह 60 फ़ीसदी आबादी कृषि, मवेशी प्रजनन, मत्स्य पालन, डेयरी फार्मिंग, स्थानीय कामगार एवं रिटेल कारोबार से जुड़ी रहती है। वेंकैया नायडू जनता से जुड़े हुए राजनेता हैं। वह भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में वह केंद्रीय मंत्री के पद पर भी रहे हैं। उन्होंने उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रथम कार्यकाल में काफी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया था। उन्होंने राज्यसभा के उपसभापति के रूप में भाजपा और सत्ता की सोच को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में भी उन्होंने समन्वय बनाने का काम किया था। भारतीय जनता पार्टी में पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से सत्ता एवं संगठन में बदलाव आया है। संगठन और सत्ता की सोच बदल गई है। मोदी सरकार की इमेज पूंजीपतियों की सरकार के रूप में बन गई है। सत्ता में बने रहने की सोच ने भाजपा की रीति-नीति को बदल दिया है। एक समय था, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके अनुवांशिक संगठन तथा भाजपा स्वदेशी जागरण मंच जैसे कार्यक्रम को संचालित करती थी। 2004 से 2014 तक विदेशी निवेश को भारत में आने से रोकने के लिए बड़े-बड़े आंदोलन चलाए। सदन में जिस लड़ाई को लड़ा था। विशेष रूप से रिटेल सेक्टर में विदेशी निवेश को नहीं आने दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद विदेशी निवेश के लिए सभी सेक्टर में 100 फ़ीसदी निवेश की

मंजूरी दे दी गई। उसके बाद तेजी से हालात बदलने शुरू हुए। भारत का सारा आर्थिक और सामाजिक ताना-बाना बिगड़ गया। गरीब-गरीब होते चले गए। अमीर-अमीर होते चले गए। इस परिवर्तन पर पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों को आईना दिखाया है। उनका कहना है, चुनाव में जीत-हार कोई मायने नहीं रखती है। राजनीति में धन की कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं होती है, यदि जनमत साथ में नहीं है। ऐसी स्थिति में राजनीति में धनबल की कोई भूमिका नहीं होती है। राजनीति नागरिकों के आर्थिक एवं सामाजिक रूप से उत्थान के लिए की जाती है। जो राजनीतिक दल इस काम को करता है उसी का राजनीतिक भविष्य होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरबीआई का ब्याज दर स्थिर रखने का फैसला उम्मीद के अनुरूपः शीर्ष बैंकर

- बैंकर ने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत करने का भी स्वागत किया

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का ब्याज दर को स्थिर रखने का फैसला उम्मीद के अनुरूप ही है। शीर्ष बैंक अधिकारियों ने यह बात कही। उन्होंने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत करने का भी स्वागत किया। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने नीतिगत रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैसला किया है। फरवरी, 2023 से ही रेपो दर स्थिर बनी हुई है। भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रेपो दर पर यथास्थिति बनाए रखने सहित नीति फैसला उम्मीद के मुताबिक है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत करने से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि संभावनाओं में केंद्रीय बैंक का भरोसा बढ़ा है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा कि वृद्धि अनुमान में संशोधन ने महामारी के बाद भारत की लगातार मजबूत वृद्धि की पुष्टि की है। उन्होंने नियामकीय उपायों का स्वागत करते हुए कहा कि घरेलू वृद्धि मुद्रास्फीति परिदृश्य अनुकूल रहा है और दूसरी तिमाही में मुद्रास्फीति चार प्रतिशत से नीचे जाती हुई नजर आ रही है। इंडियन ओवरसीज बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उदार रुख को वापस लेने के फैसले पर कायम रहने से संतुलित नजरिये का पता चलता है, जिससे टिकाऊ आर्थिक वृद्धि के साथ महंगाई को काबू में रखने में मदद मिलेगी। इंडियन बैंक के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नीतिगत समीक्षा मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखते हुए आर्थिक वृद्धि को संतुलित करने के आरबीआई के सतर्क नजरिये को दर्शाती है।

आरबीआई ने बैंकों को आईटी-इंफ्रा में निवेश करने को कहा

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को खामियों में कमी लाने के लिए आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर में पर्याप्त निवेश करने को कहा है। रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक के बाद शुक्रवार को मी डिया से बातचीत के दौरान आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह बात कही है। शक्तिकांत दास ने कहा` कि जब भी कोई टेक्निकल रुकावट आती है, तो समस्या एनपीसीआई और यूपीआई में नहीं होती, बल्कि बैंकों की समस्याएं होती हैं। इसके कई कारण हैं, जिनसे हम निपट रहे हैं। हाल ही में आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक के टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म पर सुपरवाइजरी कंसर्न का हवाला देते हुए ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक लगा दी थी। आरबीआई ने कोटक बैंक पर ये प्रतिबंध किसी भी संभावित लंबे समय तक रुकावट को रोकने के लिए लगाए हैं। रुकावटों से न केवल बैंक की अच्छी कस्टमर सर्विस प्रोवाइड करने की क्षमता पर, बल्कि डिजिटल बैंकिंग और पेमेंट सिस्टम्स के फाइनेंशियल इकोसिस्टम पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

अक्टूबर में आरबीआई की बैठक में रेपो दर में कटौती की उम्मीद

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने लगातार आठवीं बार रेपो दर को 6.5 फीसदी पर बनाए रखने का विकल्प चुना, जो कटौती की कुछ उम्मीदों से अधिक है। हालांकि, यह निर्णय सर्वसम्मति से नहीं लिया गया, क्योंकि दो सदस्यों ने 25 आधार अंकों की कटौती का समर्थन किया। एसबीआई रिसर्च ने वित्त वर्ष 24-25 की दूसरी छमाही में दरों में कटौती की उम्मीद जताई है। एसबीआई रिसर्च ने नीति-पश्चात रिपोर्ट में भविष्यवाणी की है कि आरबीआई अगस्त में फिर से दरों को स्थिर रखेगा। इसके साथ वित्त वर्ष 24-25 की दूसरी छमाही में अपने रुख का संभावित रूप से पुनर्मूल्यांकन करेगा। रिपोर्ट में अक्टूबर 2024 में पहली रेपो दर में कटौती का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट बताती है कि जून में नीतिगत निर्णय आरबीआई द्वारा सतर्क दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो संभवतः हाल ही में हुए राजनीतिक परिवर्तन से प्रभावित है। जबकि नीति दिशा काफी हद तक अपरिवर्तित बनी हुई है। आरबीआई समायोजन करने से पहले नई सरकार के आर्थिक कदमों का अवलोकन कर सकता है। आरबीआई मुद्रास्फीति को 4 फीसदी के अपने लक्ष्य के करीब लाने को प्राथमिकता देना जारी रखता है। इसने वित्त वर्ष 24-25 के लिए अपने मुद्रास्फीति पूर्वानुमान को 4.5 फीसदी पर बनाए रखा। खाद्य मुद्रास्फीति एक प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है, जिसमें अस्थिर कच्चे तेल की कीमतों, वित्तीय बाजारों और बढ़ती गैर-ऊर्जा वस्तुओं की कीमतों से संभावित जोखिम हैं।

टीवीएस मोटर ने चुनिंदा ई-स्कूटर वापस मंगाए

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी ने कहा कि वह आईक्यूब इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के चुनिंदा समूह को निरीक्षण के लिए वापस मंगा रही है। दोपहिया वाहन विनिर्माता ने कहा कि वह 10 जुलाई, 2023 से नौ सितंबर, 2023 के बीच निर्मित इकाइयों के ब्रिज ट्यूब का निरीक्षण करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वाहनों का प्रदर्शन लंबे समय तक अच्छा रहे। कंपनी ने कहा कि अगर जरूरी हुआ तो ग्राहक से कोई धनराशि लिए बगैर प्रभावित स्कूटरों में सुधार किया जाएगा। टीवीएस मोटर ने कहा कि कंपनी या उसके डीलर वाहनों को मंगाने के लिए व्यक्तिगत रूप से ग्राहकों से संपर्क करेंगे।

आईआरएस अधिकारी बिंद्रा संभालेंगे सीसीआई सचिव का पद

नई दिल्ली। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी इंद्रपाल सिंह बिंद्रा जल्द ही भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के सचिव का पदभार संभालेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक बिंद्रा सीसीआई में अनुपमा आनंद की जगह लेंगे, जिन्होंने आठ महीने के भीतर ही सचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। अनुपमा भी भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी हैं। बिंद्रा की नियुक्ति पदभार संभालने की तारीख से तीन साल के लिए की गई है। प्रतिस्पर्धा आयोग बाजार में अनुचित व्यापार प्रथाओं पर नजर रखता है और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का काम भी करता है।

हिमाचल मत्स्य विभाग ने केंद्रीय मीठाजल जलकृषि अनुसंधान से समझौता किया

बिलासपुर । हिमाचल प्रदेश मत्स्य विभाग ने केंद्रीय मीठाजल जलकृषि अनुसंधान, भुवनेश्वर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत राज्य के किसानों को मछली आहार तकनीक और जयंती रोहू तथा उन्नत कतला प्रजाति के बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। एमओयू के तहत सीफोम ब्रूड मछली आहार तकनीक, जयंती रोहू और मछली की उन्नत कतला प्रजाति के बीज केंद्रीय मीठाजल जलकृषि अनुसंधान द्वारा हिमाचल प्रदेश मत्स्य विभाग को उपलब्ध कराए जाएंगे। मत्स्य विशेषज्ञों ने कहा कि अमूर कार्प, जयंती रोहू और उन्नत कतला प्रजातियों जैसी उन्नत मछली किस्मों की वृद्धि दर पारंपरिक प्रजातियों की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत अधिक है और इन प्रजातियों का पालन करके अधिक आय हासिल की जा सकती है। मत्स्य विभाग के एक अे धिकारी ने कहा कि विभाग किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस समझौता ज्ञापन का लाभ निकट भविष्य में दिखाई देगा और किसानों की आर्थिक स्थिति में निश्चित रूप से सुधार होगा।

सेबी ने एचएएल मामले में एक व्यक्ति पर 20 लाख का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के शेयरों में लेनदेन करते समय बाजार मानकों के उल्लंघन से संबंधित मामले में भेजे गए समन का पालन न करने पर एक व्यक्ति पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया। सेबी ने व्यक्ति को 45 दिनों के भीतर जुर्माने की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया है। नियामक ने मानदंडों के कथित उल्लंघन के लिए उसके खिलाफ कार्यवाही शुरू की थी। इसके बाद आठ मई, 2024 को सेबी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था। सेबी के एक निर्णायक अधिकारी ने एक आदेश में कहा कि मामले की जांच रिपोर्ट में दर्ज है कि सूचना देने में विफलता और जांच प्राधिकारी (आईए) के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने में विफलता ने जांच प्रक्रिया को बाधित किया है और यह नियामक के प्रति उनके उदासीन रवैये और घोर उपेक्षा को दर्शाता है। नियामक ने उस व्य क्ति को सेबी के मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए दंडित किया। एक अलग आदेश में बाजार नियामक ने प्रकटीकरण नियमों का उल्लंघन करने के लिए मैजेस्टिक ऑटो लिमिटेड पर भी सात लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सेबी ने मैजेस्टिक ऑटो लिमिटेड (एमएएल) के संबंध में एक जांच की थी। जांच में नियामक ने पाया कि मैजेस्टिक ऑटो ने कथित तौर पर सूचीबद्धता दायित्व एवं खुलासा प्रावधानों का उल्लंघन किया था।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला

▸▸ सेंसेक्स 1,618 अंक की तेजी के साथ 76,693 पर बंद

▸▸ निफ्टी 468 अंक चढ़कर 23,290.15 पर बंद

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। पहले बाजार में बड़ी गिरावट आई, उसके बाद शानदार रिकवरी देखने को मिली थी। बाजार सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को उछाल के साथ बंद हुआ था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि दर के अनुमान को सात प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है, जिसके चलते बाजार में यह तेजी देखने को मिली थी। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी` दिनों पर नजर डालें तो लोकसभा चुनाव के परिणाम से एक दिन पहले और एग्जिट पोल के अनुमानों के बाद सोमवार को शेयर बाजार जमकर झूमा। सेंसेक्स 1859.88 अंकों की बढ़त के साथ 75,821.19 के रिकॉर्ड स्तर पर खुला और 2,507.47 अंक उछलकर 76,468.78 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 603.85 अंकों की उछाल के साथ 23,134.55 पर खुला और 733.21 अंक मजबूत होकर 23,263.90 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 1,700 अंक बढ़कर 76,794.06 के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर खुला और 1,618.85 अंक की तेजी के साथ 76,693.36 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 483 अंकों तक बढ़े कर खुला और 468.75 अंक बढ़कर 23,290.15 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को लोकसभा चुनाव के सभी सीटों के रिजल्ट आने के बाद शेयर मार्केट में बहार लौट आई है। बीएसई सेंसेक्स एक बार फिर 73000 के पार खुला और 2,303 अंक की तेजी के साथ 74,382 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 22128 से के दिन के कारोबार की शुरुआत की और 735 अंक बढ़कर 22,620.35 के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 400.42 अंकों की बढ़त के साथ 74,744.30 के स्तर पर खुला और

692.27 अंक मजबूत होकर 75,074.51 पर बंद हुआ। निफ्टी 122.31 अंक मजबूत होकर 22,742.65 के स्तर पर खुला और 201.06 अंक चढ़कर 22,821.40 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार ने आरबीआई की ओर से रेपो रेट के ऐलान से पहले 7 जून 2024 शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ अपने कामकाज की शुरुआत की। सेंसेक्स 254.53 अंक चढ़कर 75,329.04 अंक पर खुला और 1,618.85 अंक की तेजी के साथ 76,693.36 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 99.4 अंक की बढ़त के साथ 22,920.80 अंक पर खुला और 468 अंक चढ़कर 23,290.15 अंक पर बंद हुआ।

भारत ने मई में 722 करोड़ का सोना खरीदा

- भारत दुनिया में सोने का तीसरा सबसे बड़ा खरीदार, स्विटजरलैंड नंबर वन

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मई में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सोना खरीदार रहा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, बीते माह भारत ने करीब 722 करोड़ रुपए का सोना खरीदा। सिर्फ स्विटजरलैंड और चीन ने भारत से ज्यादा गोल्ड खरीदा। बीते 5 वित्त वर्षों में भारत ने अपने गोल्ड रिजर्व में करीब 204 टन सोने की बढ़ोतरी की। मार्च 2019 में देश का गोल्ड रिजर्व 618.2 टन था, जो 31 मार्च 2024 को 33 फीसदी बढ़कर 822.1 टन हो गया। हालांकि इस दौरान सोने की कीमतों में करीब 70 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। सोने की बढ़ती कीमतों की वजह से बीते माह ग्लोबल गोल्ड मार्केट में औसत दैनिक ट्रेडिंग वॉल्यूम 18 लाख करोड़ रुपए रहा। यह अप्रैल 2024 की तुलना में 13 फीसदी कम, लेकिन 2023 के औसत 13.6 लाख करोड़ रुपए रोजाना से 32.51 फीसदी ज्यादा है। मई में लगातार तीसरे महीने सोने की कीमतें बढ़ीं पर शुक्रवार को देश में जेवराती सोना (22 कैरेट) 773 रुपए प्रति 10 ग्राम घटकर 65,872 रुपए पर आ गया। 24 कैरेट सोना का भाव भी गुरुवार के

मुकाबले 844 रुपए घटकर 71,913 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। आमद और सोने की ऊंची कीमत से प्रेरित होकर मई में कुल एयूएम मासिक आधार पर 2 फीसदी बढ़कर 234 अरब डॉलर (करीब 19.5 लाख करोड़ रुपए) के स्तर पर पहुंच गया।

तिरुपुर कपड़ा उद्योग का संकट, नहीं लौट रहे वोट देने गए मजदूर

बिजनेस डेस्क: अपने कपड़ा उद्योग के लिए फेमस तमिलनाडु का तिरुपुर इन दिनों संकटों से जूझ रहा है। यह संकट पैदा हुआ है हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के कारण। खबरों की मानें तो तिरुपुर कपड़ा उद्योग अभी श्रमिकों की कमी की समस्या का सामना कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, तिरुपुर के कपड़ा उद्योग में काम करने वाले ज्यादातर कामगार हालिया चुनावों में वोट डालने के लिए अपन गांव गए। उसके बाद समस्या ये आई है कि वोट डालने अपने गांव गए मजदूर अब वापस नहीं लौट रहे हैं। इससे उद्योग जगत की परेशानियां बढ़ गई हैं। सबसे खराब बात ये है कि श्रमिकों की कमी का संकट ऐसे समय सामने आया है, जब डिमांड में सुधार के संकेत दिख रहे थे।

डिमांड सुधरने के मिलने लगे संकेत

तिरुपुर कपड़ा उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि अमेरिका में डिमांड में सुधार हो रहा है और उसके चलते निर्यात के अच्छे ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। हालांकि अब श्रमिकों की कमी से दिक्कतें आ सकती हैं।

लगभग डेढ़ लाख श्रमिक करते हैं काम

रिपोर्ट के अनुसार, तिरुपुर के कपड़ा उद्योग में काम करने वाले ज्यादातर मजदूर उत्तर प्रदेश, बिहार, असम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के हैं। छोटे-बड़े कपड़ा मिलों में एक लाख से डेढ़ लाख लोग काम करते हैं।

दिल्ली हवाई अड्डे की रनवे क्षमता 30 फीसदी बढ़ेगी

- तीन साल में 110 उड़ानें प्रति घंटा संभव

नई दिल्ली ।

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने शुक्रवार को कहा कि परिचालन को अनुकूल एवं सुगम बनाने के लिए दिल्ली हवाई अड्डा सरकार-के भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) और एक अंतरराष्ट्रीय सलाहकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। इससे रनवे क्षमता तीन साल में करीब 30 प्रतिशत तक बढ़ाकर प्रति घंटे 110 आवाजाही की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डा अगले 6 से 12 महीनों में अपनी अंतर्राष्ट्रीय यात्री प्रबंधन क्षमता को 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहता है क्योंकि घरेलू-से-अंतर्राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय-से-अंतर्राष्ट्रीय पारगमन यातायात तेजी से बढ़ रहा है। दिल्ली हवाई अड्डे से इस समय सालाना 10 करोड़ से ज्यादा यात्रियों की आवाजाही होती है। इस क्षमता का करीब 82-83 प्रतिशत घरेलू उड़ानों के लिए है जबकि शेष अंतरराष्ट्रीय सेवाओं के लिए। जीएमआर समूह के नेतृत्व वाला डायल भारत के सबसे बड़े दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का परिचालन करता है। इस हवाईड्डे पर व्यस्त समय के दौरान हर घंटे 84 विमानों की आवाजाही होती है। उन्होंने कहा` कि हमारे पास चार रनवे हैं। हम अपना परिचालन सुगम बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सलाहकार और एएआई के साथ काम कर रहे हैं। 2-3 वर्षों में हमारी अधिकतम रनवे क्षमता प्रति घंटे लगभग 110 विमानों की आवाजाही तक पहुंच जाएगी। यह हवाई अड्डा हर दिन एयरलाइनों के लिए 1,500 स्लॉट की पेशकश करता है और संचालन सुगम बनाए जाने के बाद यह संख्या बढ़कर 2,000 से ज्यादा हो जाएगी। एयरपोर्ट स्लॉट किसी विमान के हवाई अड्डे पर उतरने या रवाना होने के लिए निर्धारित विशेष समय होता है। उन्होंने कहा कि डायल गुरुग्राम और दिल्ली हवाई अड्डे के बीच कनेक्टिविटी सुधारने के लिए दिल्ली और हरियाणा की सरकारों के साथ भी काम कर रहा है। दिल्ली हवाई अड्डा, एयरपोर्ट ऑपरेशंस सेंटर (एपीओसी) में एक एआई इंजन स्थापित कर रहा है, जो यात्रियों की आवाजाही का अध्ययन करेगा और एयरलाइन, आव्रजन कर्मियों, सुरक्षा कर्मियों और अन्य को सूचित करेगा ताकि वे तुरंत अपने कर्मचारियों की संख्या में बदलाव कर सकें। चूंकि दिल्ली हवाई अड्डा विमानन केंद्र बनना चाहता है, इसलिए वह टी3 टर्मिनल के ठीक बाहर एक होटल भी विकसित कर रहा है।

कई शहरों में पेट्रोल और डीजल सस्ता, कहीं महंगा

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें 75.38 डॉलर प्रति बैरल के पास पहुंच गई है। हालांकि, क्रूड में गिरावट का पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर ज्यादा असर देखने को नहीं मिल रहा है। हालांकि शुक्रवार को कुछ शहरों में ईंधन की कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया है। आंध्र प्रदेश में पेट्रोल 0.26 पैसे तो डीजल 0.22 पैसे महंगा हुआ है। बिहार में 0.5 पैसे, हरियाणा में 0.13 पैसे, जम्म-कश्मीर में 0.56 पैसे, कर्नाटक 0.15 पैसे और उत्तर प्रदेश में 0.21 पैसे महंगा हुआ। वहीं उत्तराखंड, केरल और हिमाचल प्रदेश ईंधन की कीमतें कम हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल के दाम 94.72 रुपये, तो वहीं डीजल के दम 87.62 रुपये प्रति लीटर हैं। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये, तो वहीं डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.91 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.42 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.27 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर, आगरा में पेट्रोल 94.70 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर है।

वनप्लस नॉर्ड 4 लांच होगा जुलाई के तीसरे हफ्ते में

-मिलेगी 100वॉट की चार्जिंग, 5500एमएएच बैटरी

नई दिल्ली ।

वनप्लस नॉर्ड 4 को जुलाई के तीसरे हफ्ते में लॉन्च किया जाएगा। लीक रिपोर्ट के मुताबिक वनप्लस नॉर्ड 4 में 120 एचझेड रिफ्रेश और 1.5के रेजोलूशन के साथ 6.74-इंच का अमोलेड डिस्प्ले होने की उम्मीद है। आने वाले स्मार्टफोन में क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 7+ जेन 3 प्रोसेसर हो सकता है। इस डिवाइस में 16जीबी तक एलपीडीडीआर5 एक्स रैम और 512जीबी तक यूएफएस 4.0 स्टोरेज होने की बात सामने आई है। कहा जा रहा है कि नॉर्ड 4 कंपनी के कलर ओएस पर बेस्ड एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम कर सकता है। कैमरे के तौर पर वनप्लस के इस फोन में डुअल कैमरा सेटअप होने की उम्मीद की जा रही है, जिसमें 50 मेगापिक्सल का ओआईएस प्राइमेरी कैमरा और 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड कैमरा होगा। वहीं फोन के फ्रंट कैमरे में 16 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा होने की उम्मीद की जा रही है। टिप्सटर सुजान थारु66 के किए गए पोस्ट से पता चला है कि आने वाले नए फोन में 5500 एमएएच की बैटरी मिलेगी, जो कि 100 वॉट चार्जिंग

को सपोर्ट करेगी। इसके अलावा ये भी जानकारी मिली है कि नॉर्ड 4 को आईपी65 रेटिंग मिलने की उम्मीद है। गीकबेंच लिस्टिंग में ये कहा जा रहा है कि ये फोन मॉडल नंबर सीपीएच2621 के साथ आएगा। ऐसा माना जा रहा है कि नॉर्ड 4 के साथ इसका लाइट वेरिएंट वनप्लस नोर्ड सीई4 लाइट भी पेश किया जा सकता है। इस फोन में 6.67 इंच का डिस्प्ले मिल सकता है। पावर के लिए इसमें 5500 एमएएच बैटरी होने की उम्मीद है।उम्मीद है कि ये नए फ्लैगशिप की कीमत भी कंपनी के पिछले मॉडल वनप्लस नॉर्ड 3 के आसपास होगी। वनप्लस नॉर्ड 3 को 8 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज वाले स्टैंडर्ड वेरिएंट के लिए 33,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया गया था।

भारत में चालू साल में नहीं होगी मोटोजीपी रेस

-मोटोजीपी भारत को मार्च 2025 के लिए कर दिया रिशेड्यूल

नई दिल्ली ।

मोटोजीपी भारत के आयोजन की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है, यानी इस साल भारत में ये रेस नहीं होगी। मोटोजीपी भारत को मार्च 2025 के लिए रिशेड्यूल कर दिया गया है। रेसिंग की दुनिया के इस सबसे बड़े मोटरस्पोर्ट का भारत में आयोजन करने वाली कंपनियां और उत्तर प्रदेश सरकार ने मिलकर यह फैसला लिया है।

आयोजकों में शामिल, एफआईएम, आईआरटीए और डोर्ना स्पोर्ट्स ने घोषणा की है कि इंडियन ग्रैंड प्रिक्स 2024 में नहीं होगा। इसके अलावा ऑपरेशन संबंधी कारणों के चलते मोटोजीपी ने भारत में इसकी वापसी को 2025 की शुरुआत तक के लिए स्थगित कर दिया है।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि, उत्तर प्रदेश सरकार की सलाह के बाद मोटोजीपी भारत की वापसी मार्च 2025 में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर से होगी। जब मौसम की स्थिति दर्शकों और राइडर्स दोनों के लिए अनुकूल होने की उम्मीद है। ज्यादातर लोगों के मन में ये सवाल है कि आखिर इस साल मोटोजीपी को क्यों कैंसिल किया गया। जानकारी के अनुसार, मोटोजीपी को रिशेड्यूल करने के पीछे अहम कारण भीषण गर्मी है। पिछले साल भी सितंबर महीने में जब रेसर्स बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के ट्रैक पर उतरे थें तो उन्होनें भीषण गर्मी की शिकायत की थी। आलम यह था कि, कुछ रेसर्स की हालत भी खराब हो गई थी। वहीं इस साल भी भारत में गर्मी ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है।

बता दें कि, पिछले साल सितंबर महीने में ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर रेसिंग की दुनिया की सबसे मशहूर चैंपियनशिप का आगाज हुआ था। तीन दिनों तक चलने वाले मोटोजीपी के फाइनल रेस में कुल 11 टीम और 22 राइडर्स ने हिस्सा लिया था।

क्या आज महामुकाबले में विलेन बन सकती हैं बारिश

न्यूयार्क (एजेंसी)। क्रिकेट का सबसे बड़ा मुकाबला फिर होने वाला है। भारत और पाकिस्तान 9 जून को टी20 वर्ल्ड कप 2024 में एक दूसरे से भिड़ने को तैयार है। दुनिया भर के फैंस धमाकेदार मैच का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन बारिश की वजह से पूरा 20 ओवर का मैच ना हो सके, इसकी भी संभावना है। दरअसल न्यूयॉर्क में बारिश होने की संभावना जाहिर की गई है।

मैच सुबह 10:30 बजे (भारतीय समयानुसार रात 8 बजे) शुरू होगा। मौसम विभाग के मुताबिक, टॉस के वक्त 40 प्रतिशत से 50 प्रतिशत बारिश की संभावना है, जो दोपहर 1 बजे कम होकर 10 प्रतिशत हो जाएगी और फिर शाम 3 बजे 40 प्रतिशत तक वापस चली जाएगी।

बारिश भारत और पाकिस्तान मैच में अहम भूमिका निभा सकती है, क्योंकि दोनों टीमें अभी भी नए मैदान के हालातों को समझने की कोशिश कर रही हैं। न्यूयॉर्क में पहले हुए भारत-आयरलैंड मैच में भारत ने आयरलैंड को सिर्फ 96 रनों पर आउट कर दिया था। श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच भी कम स्कोर वाला मैच हुआ था, जिससे पता चलता है कि न्यूयॉर्क की नई पिच गेंदबाजों को मदद कर रही है। वहीं मौसम की भविष्यवाणी पर भरोसा करें, तब रविवार को 42 प्रतिशत बारिश होने की संभावना है। तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा और ह्यूमिडिटी 58 प्रतिशत रहेगी। बारिश से टॉस में देरी हो सकती है, लेकिन मौसम विभाग के मुताबिक मैच समय पर ही खेला जा सकता है।

टीम

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

पाकिस्तान: बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमान, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सईम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान।

अब भारत के खिलाफ मैच पर हैं अमेरिकी टीम की नजरें

डलास (एजेंसी)। पाकिस्तान पर जीत से उत्साहित अमेरिकी क्रिकेट टीम के कप्तान मोनांक पटेल का लक्ष्य अब 12 जून को टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर लगी हैं। मोनांक के अनुसार उनकी टीम इस मैच में अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। अमेरिकी टीम ने पाक के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते हुए अपनी क्षमताएं दिखायी हैं। पटेल ने कहा, 'जीत से मैं खुश हूं। पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप में पहली बार खेलना और उन्हें हराना अविश्वसनीय है। अब हमारा धयान भारतीय टीम के खिलाफ प्रदर्शन पर होगा। उन्होंने कहा, 'हम जज्बातों के बहाव में बहना नहीं चाहते। हम इस जीत का जश्न मनाकर अगले दिन नए सिरे से वापसी करेंगे। पटेल ने कहा, 'पाकिस्तान को हराकर हमारे लिए कई दरवाजे खुलेंगे। विश्व कप की मेजबानी ही बहुत बड़ी उपलब्धि है और यहां एक टीम के रूप से ऐसे प्रदर्शन से अमेरिका में क्रिकेट को आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि दो जीत के बावजूद अभी वह सुपर आठ चरण के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम इसे लेकर चिंतित नहीं हैं कि लोग हमारी जीत को महज तुक्का मान रहे हैं। हमें पता है कि हमने मेहनत की है और हमारी क्या क्षमता है।

देश में बढ़ रही महिला फुटबॉल खिलाड़ियों की संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में महिला फुटबॉल की लोक्रपियता बढ़ने के साथ ही इसमें आने वाली प्रतिभाओं की तादाद भी बढ़ी है। महिला फुटबॉल लीग के शुरु होने से भी इस खेल के प्रति आकर्षण बढ़ा है। देश की कुछ खिलाड़ी अब विदेशी लीग में भी खेल रही हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार पिछले दो साल में महिला फुटबॉल खिलाड़ियों की संख्या में 138 फीसदी की बढ़त आई है। अभी भारतीय महिला टीम फीफा रैंकिंग में 66वें नंबर पर है। टीम की पांच खिलाड़ी मानुषा कल्याण, ज्योति चौहान, एमके कश्मीना, किरण पिस्दा और ई पान्थोई विदेश की बड़ी लीग में खेलती हैं। वहीं जानकारों के अनुसार महिला टीम के अब विश्व कप में क्वालीफाई करने की संभावना भी बढ़ती जा रही हैं। इसलिए फुटबॉल संघ को उनकी और अधिक सहायता करनी चाहिए। महिला फुटबॉल लीग में अब अब होम और अवे मैच (घरेलू और बाहर के मैदान) का प्रारुप भी शुरू कर दिया है। इसके साथ ही इस सत्र में दूसरी श्रेणी की लीग आईडब्ल्यूएल 2 भी शुरू हुई है, जिसमें से 15 टीमों में से 2 टीमों को प्रमोशन मिलेगा। वहीं जितनी ज्यादा टीमें होंगी। उतने ही खिलाड़ियों को खेलने के अधिक अवसर मिलेंगे। अभी दो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की महिला टीमें भी हैं। साथ ही तीन बार की चैंपियन गोकुलम केरला भी है, जो विदेशों में प्रतियोगिता खेलने वाली भारत की पहली महिला टीम थी। अब यह भी बदलाव हुआ है कि महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को क्लब पेशेवर अनुबंध भी देने लगे हैं। इससे खिलाड़ियों को अच्छी रकम भी मिल रही हैं।

बांग्लादेश ने पहली बार श्रीलंका को टी20 विश्व कप में हराया, मुस्तफिजुर का जादू चला

डैलस (एजेंसी)। खेल के हर विभाग में श्रीलंका को बौना साबित करते हुए बांग्लादेश ने शनिवार को टी20 विश्वकप के रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हरा दिया। ग्रैंड प्रायरी स्टेडियम में श्रीलंका के पहले खेलते हुए 9 विकेट पर 124 रन बनाए जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 125 रनों का निर्धारित लक्ष्य छह गेंदे शेष रहते 8 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। टी20 विश्वकप के इतिहास में श्रीलंका के खिलाफ बांग्लादेश की यह पहली जीत है।

श्रीलंका एक समय चार विकेट पर 100 रन बना कर एक मजबूत स्कोर की तरफ बढ़ रहा था मगर रिशाद हुसैन (22 रन पर 3 विकेट) ने पारी के 15वें ओवर में लगातार 2 गेंदों पर चरिथ असलंका (19) और कप्तान वानिंदु हसरंगा (0) का विकेट झटक कर श्रीलंका को तगड़ा झटका दिया वहीं

उन्होने अपने अगले ओवर में धनंजय डिसिल्वा (21) को चलता कर दिया जिसके बाद श्रीलंका की पारी का पतन तेजी से शुरु हो गया और उसके 5 पुछल्ले खिलाड़ी अपनी टीम के स्कोर में महज 24 रन का ही इजाफा कर सके। रिशाद हुसैन के अलावा मुस्तफिजुर रहमान (17 रन पर तीन विकेट) ने श्रीलंका को शुरुआती झटके देकर उन्हे रफ्तार पकड़ने का मौका नहीं दिया। तस्किन अहमद ने दो विकेट चटकाए। पथुम निसंका (47) ने हालांकि एक छोर पकड़ कर बांग्लादेश के गेंदबाजों का कड़ा इम्तिहान लिया। उन्होने 28 गेंदो की संक्षिप्त पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश एक समय तीन विकेट मात्र 28 रनों पर खोकर संघर्ष की स्थिति में आ गया था मगर तौहीद हृदोय (40) और लिटन दास (36) ने आक्रामक अंदाज अपना कर श्रीलंका के गेंदबाजों को जमकर धुना। तौहीद ने मात्र 20 गेंदो में 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और चार छक्के लगाए। वह हसरंगा की गेंद पर आउट हुये, दूसरे छोर पर दास भी हसरंगा के 108वां शिकार बने जिसके साथ ही हसरंगा ने टी20 करियर में अपने वरिष्ठ लसिथ मलिंगा के सबसे ज्यादा विकेट चटकाने के रिकार्ड को तोड़ दिया है। पारी के 18वें ओवर में नुवान तुषारा में रिशाद हुसैन और तस्किन अहमद को लगातार दो गेंदो पर आउट कर मैच में रोमांच पैदा कर दिया था मगर जीत के लिये आखिरी दो ओवर में जरुरी 12 रनों को महमुदउल्लाह (16 नाबाद) ने 19वें ओवर में पाकर बांग्लादेश की जीत का मार्ग प्रशस्त कर दिया।

एक दशक बाद वापसी करने वाली डब्ल्यूडब्लूई स्टार ग्लैमरस अंदाज में दिखीं

लंदन । एक दशक से अधिक समय तक कुश्ती से दूर रहने वाली डब्ल्यूडब्लूई महिला पहलवान लिंडसे के हेवर्ड अब ग्लैमरस अंदाज में नजर आयी हैं। हेवर्ड ने जो

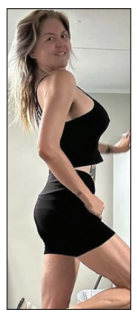

बदलाव किये हैं उससे वह खूबसूरत नजर आने लगी हैं। जिससे प्रशंसक हैरान हैं। ये साथ ही पूछ रहे हैं कि वह कब रिंग में वापसी करेंगी हालांकि हेवर्ड का अभी ऐसा कोई इरादा नजर नहीं आता। रिंग में आइसिस द अमेज़ॅन के नाम से मशहूर, 6 फुट से अधिक लंबी इस पहलवान को डब्ल्यूडब्लूई के नेक्सट शो के तीसरे सीजन में स्टार आकर्षण के तौर पर शामिल किया गया था। इसके बाद साल 2010 में एक कंपनी ने उन्हें साइन किया पर जल्दी ही उन्हें शो से हटा दिया गया। उस समय. कंपनी ने उनकी गैल्मरस तस्वीरें ऑनलाइन पाए जाने के बाद उन्हें नौकरी से निकाल दिया। तब हेवर्ड काफी काफी हद तक छायी रहीं पर मई 2011 में हमेशा के लिए रिंग से बाहर हो गयीं। वह जब अब वापस आ गई हैं तो उनके सोशल मीडिया में 1.57 लाख से अधिक फॉलोअर्स के साथ हैं, जहां वह गांजा पीने, वजन घटाने और मॉडलिंग के गुणों के बारे में बात करती हैं। अपने एक ताजा वीडियो में वह अपनी नई पतली काया को दिखाती है, जो सिर्फ एक साल में ही हासिल हुई है. हेवर्ड कहती हैं कि उन्होंने इसके लिए वजन कम किया है। लोग हालांकि अब भी उनके साथ बुरा बर्ताव करते हैं, लेकिन वे उन पर नकारात्मक कमेंट नहीं करती हैं। कड़ी मेहनत से ही वह स्लिम और फिट हुई है जिससे लोग भी उनसे प्रभावित हैं। इसी कारण ब उन्हें प्रशंसक खूबसूरत कहने लगे हैं हालांकि वह कुश्ती में कब वापसी करेंगी कह नहीं सकतीं।

पैरालिंपिक पर हैं टेटे खिलाड़ी विजया की नजरें

हैदराबाद । यूटीटी पैरा टेबल टेनिस नेशनल चैंपियनशिप में सबसे कम उम्र की पदक विजेता विजया दीपिका गंगापट्टनम का लक्ष्य अब पैरालिंपिक में भारत के लिए पदक जीतना है। विजया ने राष्ट्रीय स्तर पर एकल में रजत और युगल में अपने जोड़ीदार के साथ कांस्य पदक जीता है। विजया का यहां तक का सफर जुझारु क्षमता की मिसाल है। वह हड्डियों की एक गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं जिसके कारण उसके शरीर में 45 फ्रैक्चर हैं। यहां तक कि झटके लगने पर भी हड्डी टूट जाती है। इसके बाद भी कठिन परिश्रम कर विजया ने टेबल टेनिस खेलकर अपनी किस्मत बदली है। विजया का भाई भी टेबल टेनिस खेलता है। उसे इस खेल में पिता का पूरा समर्थन मिला। विजया के पिता ने कहा कि उसे जन्म के दौरान भी फ्रैक्चर का सामना करना पड़ा क्योंकि डॉक्टरों को उसकी पहले से स्थिति के बारे में पता नहीं था। विजया के ज्यादातर फ्रैक्चर तब हुए जब वह छोटी थी और घुटनों के बल चल रही थी। उसे अपने शरीर का भार अपने हाथों पर उठाना पड़ता था। वह अलग अलग तरह के व्हीलचेयर का उपयोग करती है। व्हीलचेयर बदलते समय वह कई बार गिर चुकी है। वह नहाने समय फिसल जाती थी, जिसके उसके पैर टूट गए। विजया को सात साल की उम्र तक चलने में दिक्कत होती थी, क्योंकि उसके कूल्हे और घुटने में फ्रैक्चर हो गया था। जिसके कारण सर्जरी करानी पड़ी। इन समस्याओं के कारण उसे अपने दिन-प्रतिदिन के कामों के लिए सहायता लेनी पड़ी।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से पहले रोहित फिर हुए चोटिल

न्यूयॉर्क। टी20 वर्ल्ड कप में इंडिया टीम का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान के साथ होगा। इस मैच से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा आयरलैंड के खिलाफ मैच में घायल हो गए। रोहित को इस मैच में जोशुआ लिटिल की गेंद दाहिने बाजू में लगी थी। चोट से परेशान रोहित मैच के दौरान रिटायर हो गए थे। फिर रोहित शर्मा को चोट लगी है। रोहित का अंगूठा चोटिल हो गया है। कप्तान रोहित को यह चोट नेट्स प्रेक्टिस करते हुए लगी। जब वह नेट पर श्रीलंकाई थ्रोडाउन विशेषज्ञ नुवान के खिलाफ अभ्यास कर रहे थे, तभी गेंद उछली और उनके हाथ में जा लगी। रोहित ने इसके बाद कुछ देर दूसरे छोर से बैटिंग की और फिर नेट्स बाहर चले गए। रोहित की चोट पर बीसीसीआई ने कोई अपडेट नहीं दिया है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत का मुकाबला काफी अहम है। यह मैच न्यूयॉर्क को नासाउ काउंटी स्टेडियम पर खेला जाएगा। पिच पूरी तरह गेंदबाजों को फायदा पहुंचाने वाली है। ऐसे में टीम को रोहित जैसे अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत है। पाकिस्तान की टीम भी अच्छे फॉर्म में नहीं चल रही है। उसे अपने पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ हार मिली थी। मेजबान टीम ने सुपर ओवर में मैच जीता था। उससे पहले इंग्लैंड दौरे पर भी पाकिस्तान की टीम टी20 सीरीज हारी है । आयरलैंड के खिलाफ पाकिस्तान ने सीरीज तो जीता था लेकिन उसे एक मैच में हार भी झेलनी पड़ी थी। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 9 जून यानी रविवार को भारतीय समय अनुसार रात 8 बजे शुरू होगा। इस मैच को देखन के लिए भारत-पाकिस्तान के लोगों में उत्सुकता बनी हुई है।

प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक के लिए लय हासिल करने उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

लंदन (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम जर्मनी और ब्रिटेन के खिलाफ एफआईएच हॉकी प्रो लीग के मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर आगामी पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी लय हासिल करना चाहेगी। भारतीय टीम को प्रो लीग में विश्व चैम्पियन जर्मनी और ब्रिटेन से खेलना है। भारती टीम अभी 14 मैचों में 24 अंक लेकर चौथे स्थान पर है जबकि जर्मनी छठे और ब्रिटेन सातवें स्थान पर है। भारतीय टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने कहा ,'' हमने कुछ अच्छी हॉकी खेली लेकिन कुछ क्षेत्रों में सुधार करना होगा। इन दो मैचों में हमारा लक्ष्य आक्रामक शुरूआत करने का होगा। हम अच्छी हॉकी खेलकर अपनी कमियों को ठीक करेंगे।'' बेल्जियम में भारत ने शूटआउट में अर्जेंटीना को हराया लेकिन बेल्जियम से 1- 4 से हार गई थी। बेल्जियम ने उसे शूटआउट में हरया जिसके बाद भारत ने अर्जेंटीना को 5-4 से शिकस्त दी। लंदन में भारत ने जर्मनी को 3-0 से हराया लेकिन ब्रिटेन से 1-3 से टीम हार गई। हार्दिक के अनुसार सभी जानते हैं कि प्रो लीग से हमें अपनी तैयारियों का आंकलन करने का अवसर मिलेगा। इसलिए सभी खिलाड़ी इसमें पूरी ताकत से उतरेंगे।

अदिति अशोक एलपीजीए क्लासिक में संयुक्त 51वें स्थान पर

गैलोवे (अमेरिका) : भारत की अदिति अशोक एलपीजीए क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट में अपेक्षित शुरुआत नहीं कर पाई तथा पहले दौर में दो अंडर 69 का स्कोर बनाने के बाद वह संयुक्त 51वें स्थान पर हैं। अदिति का इस सत्र में प्रदर्शन औसत रहा है। उन्होंने पहले 10 होल में चार बर्डी बनाई, लेकिन उसके बाद दो शॉट गंवा दिए। थाईलैंड की अर्पिचया युबोल ने 10 अंडर 61 का कार्ड खेलकर एकल बढ़त हासिल की। उनके पास एक समय 59 का भी कार्ड खेलने का मौका था। दक्षिण कोरिया की जेनी शिन और नारिन एन क्रमशः 63 और 64 का कार्ड खेल कर दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। 7 खिलाड़ियों ने 6 अंडर 65 का कार्ड खेला और वे संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

लाहिड़ी 69 के कार्ड के साथ लिव गोल्फ ह्यूस्टन में संयुक्त 15वें पायदान पर

भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी लिव गोल्फ ह्यूस्टन के पहले दौर में तीन अंडर 69 का कार्ड खेल कर ब्रायसन डेचैम्ब्यू और जॉन रहम जैसे दिग्गजों के साथ संयुक्त 15वें स्थान पर हैं। लाहिड़ी अपने शुरुआती छह होल में पार स्कोर बनाने के बाद अगले 7 होल में 5 बर्डी लगाने में सफल रहे। उन्होंने छह बर्डी के मुकाबले तीन बोगी किए। 20 साल के कालेब सुराट बोगी रहित सात-अंडर 65 के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं।

अब पाकिस्तान को करना होगा सुपर 8 में क्वालीफाई के लिए संघर्ष: अकरम

-अमेरिका ने बहुत शानदार क्रिकेट खेला, फिल्डिंग भी अच्छी की

डलास (एजेंसी)। पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने टी20 विश्व कप में मेजबान अमेरिका से सुपर ओवर में मिली हार के लिए पाकिस्तान टीम की आलोचना की है। वसीम ने कहा कि अब पाकिस्तान टीम के लिए 8वें चरण के लिए क्वालीफाई करने का रास्ता संघर्षपूर्ण रहेगा। टी20 विश्व कप में अमेरिका ने 2009 के विजेता पाकिस्तान को हराकर सुपर ओवर में जीत हासिल की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी सबसे बड़ी जीत में से एक है। पाकिस्तान-अमेरिका की टीमें अपने 50 ओवर में 159 रन बनाकर बराबरी पर थीं, इससे पहले कि अमेरिका ने सुपर ओवर में 18 रन बनाए। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने कई वाइड बॉल फेंकी और घबराहट के कारण ओवरथ्रो के जरिए रन दिए जाने से भी अमेरिका को मदद मिली। जवाब में पाकिस्तान ने 13 रन बनाए और हार का मुंह देखना पड़ा।

अकरम ने कहा कि खराब प्रदर्शन। अमेरिका के खिलाफ खेलते समय मुझे यकीन था कि पाकिस्तानी समर्थक को यकीन था कि वे पहली पारी में जिस तरह से खेले, उसके बाद वे जीतेंगे। दूसरी पारी में अमेरिका लक्ष्य का पीछा करने उतरे और मेरा मतलब है कि सुपर ओवर में 19 रन बनाना सुपर ओवर में 36 रन बनाने जैसा है। इसलिए, अमेरिका टीम अच्छा खेली अब पाकिस्तान को सुपर आठ के लिए क्वालीफाई करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ेगी क्योंकि उन्हें भारत के साथ और दो और अच्छी टीमों आयरलैंड और कनाडा से मैच खेलना है। पाकिस्तान का न्यूयॉर्क में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत से रविवार को मुकाबला होना है। अकरम को यह भी लगता है कि अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल के अर्धशतक और उनके प्रेरित नेतृत्व ने उन्हें खराब फॉर्म में चल रहे पाकिस्तान पर जीत दिलाने में बहुत बड़ा कारक बनाया जिन्हें शुरू से ही कड़ी निगरानी में रखा गया था।

अकरम ने कहा कि मेरे लिए दिन का सबसे खास पल अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल की पारी थी जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की और पूरी पारी के दौरान अपने बल्ले को आगे रखा। उन्होंने अपने टीम की कप्तानी की, यानी उन्होंने आगे से नेतृत्व किया। उनकी फील्डिंग बहुत अच्छी रही और खेल का टर्निंग पॉइंट था कि अमेरिका ने शुरुआती विकेट लिए। पाकिस्तान ने बाबर और शादाब के बीच थोड़ी साझेदारी की और फिर कोई भी सही नहीं खेल सका। कुल मिलाकर पाकिस्तान ने औसत क्रिकेट खेला गया। जीतना और हारना खेल का हिस्सा है। लेकिन आपको आखिरी गेंद तक संघर्ष करना पड़ता है। यह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए बुरा दिन था।

सिफ्त कौर ने म्यूनिख विश्व कप में कांस्य पदक जीता

म्यूनिख। भारतीय निशानेबाज सिफ्त कौर समरा ने शुक्रवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल/पिस्टल) के अंतिम दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारत ने इस तरह से 2 पदक जीत कर इस प्रतियोगिता में अपने अभियान का अंत किया। सरबजोत सिंह ने गुरुवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता था। सिफ्त

मामूली अंतर से रजत पदक हासिल करने से चूक गई। उन्होंने 452.9 अंक बनाए जो चीन की मौजूदा विश्व चैंपियन हान जियायू से केवल 0.1 कम था। ग्रेट ब्रिटेन की विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सियोनैड मैकिन्टोश ने 466.7 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। सिफ्त नीलिंग पोजीशन के बाद सातवें और प्रोन पोजीशन के बाद 5वें स्थान पर चल रही थी। स्टैंडिंग पोजीशन में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया जिससे वह कांस्य पदक जीतने में सफल रही। पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में भारत के ऐश्वर्य तोमर धीमी शुरुआत से नहीं उभर पाए और 40 शॉट के बाद 408.9 अंक लेकर 8वें स्थान पर रहे। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक नॉर्वे के ओले मार्टिन हलवोरसेन (464.3) ने जीता। उन्होंने फाइनल में हंगरी के इस्तवान पेनी को 0.2 से हराया। नॉर्वे के जॉन हरमन हेग ने 449.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

विफलताओं की परवाह किए बगैर पाकिस्तान के खिलाफ ओपनिंग करेंगे विराट कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली की विफलता के बावजूद टीम इंडिया मैनेजमेंट उनपर भरोसा बनाए हुए हैं। माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन आयरलैंड के खिलाफ उनकी विफलता को नहीं देख रहा है इसलिए पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी मुकाबले में भी विराट कोहली से ही ओपनिंग करवाई जाएगी। पाकिस्तान के लिए यह मैच जीतना जरूरी है ऐसे में टीम इंडिया प्रबंधन विजेता प्लेइंग-11 को छेड़ने के मूड में नहीं है। टी20 विश्व कप 2024 में टीम इंडिया का पहला मुकाबला न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ हुआ जिसमें टीम इंडिया को 62 रनों से जीत मिली। मैच में भारत के लिए विराट कोहली ओपनिंग करने आए थे लेकिन वह महज 1 रन बनाकर ही पवेलियन लौट गए।

आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले के दौरान टीम इंडिया में शिवम दुबे की एंट्री हुई थी। इस दौरान सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल को बाहर बिठाकर कोहली को टॉप क्रम पर भेजने का फैसला हुआ था। कोहली को इसलिए भी ओपनिंग के लिए चुना गया क्योंकि उन्होंने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फ्रेंचाइजी के खिलाफ खेलते हुए ओपनिंग ही की थी। इस दौरान कोहली 154 की स्ट्राइक रेट से 741 रन बनाने में सफल रहे थे। उन्हें ऑरेंज कैप (सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी को दी जाने वाली) मिली जोकि आईपीएल इतिहास में उन्होंने दूसरी बार जीती है।

टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने विराट के ओपनिंग करने की पुष्टि कर दी और साथ ही पंत को तीसरे नंबर पर बरकरार रखने की बात भी की। उन्होंने कहा कि पंत पूरे टूर्नामेंट में भारत के नंबर 3 खिलाड़ी रहेंगे। उन्होंने कहा कि हां, वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। उसने जो दो मैच खेले हैं, वह वास्तव में अच्छा दिख रहा है। हां, इस समय, वह हमारा नंबर तीन है और इससे मदद मिलती है कि वह बाएं हाथ का बल्लेबाज है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बच्चों क्या तुमने कभी सोचा है कि पैराशूट कैसे उड़ता है और इसके पीछे विज्ञान का कौन-सा नियम काम करता है। इसलिए पैराशूट को लेकर यह जानना जरूरी है कि इसके लिए (हवा प्रतिरोध) एयर रेसिस्टेंस कितने मायने रखता है। आजकल स्कूल में छुट्टियां चल रही हैं । घर में बैठे-बैठे बोर होने की जरूरत नहीं है, चलो जरा ये एक्सपेरीमेंट कर लें-

पैराशूट बनाकर छुट्टियों को बनाओ खास

ऐसे बनाओ पैराशूट

स्क्वायर के आकार में प्लास्टिक बैग काटो। कोनों को इस तरह मोड़ो जिससे यह आठ भुजाओं वाला बन जाए। इसके सभी किनारों पर छोटा-सा छेद करो। सभी आठों छेद में एक ही आकार के तार डालो।

इसके बाद तार के सभी टुकड़ों से भार के तौर पर प्रयोग की जाने वाली वस्तु को बांध दो। कुर्सी का प्रयोग करो या फिर छत से नीचे तुम अपने पैराशूट को छोड़ दो और जांच करो कि रिजल्ट क्या आता है। ध्यान रखना कि अपने पैराशूट को जितनी धीमी गति से हो सके, नीचे गिराओ।

रिजल्ट

अनुमान है कि तुम्हारा पैराशूट आराम से धीरे-धीरे नीचे उतरेगा। यदि तुम्हारे वस्तु का वजन ठीक-ठाक हो। जब तुम पैराशूट को नीचे छोड़ते हो, तो वजनी वस्तु खुद-ब-खुद नीचे आ जाएगी और तार की मदद से यह बड़े एरिया में फैल जाएगा। इससे एयर रेसिस्टेंट पैदा होगा और वह धीरे-धीरे नीचे आएगा।जितना बड़ा एरिया होगा, उतना व्यापक एयर रेसिस्टेंस होगा और उतना ही धीरे यह नीचे आएगा।

सामग्री

सामग्री में कुछ खास नहीं प्लास्टिक बैग, कैंची, तार, भार के तौर पर छोटी वस्तु की जरूरत होगी।

अब गैजेट्स खरीदने में नो कंफ्यूजन

बच्चो जब आप गैजेट्स फ्रेंडली बन ही गए है तो इन्हे खरीदने मे कैसा कन्फयूजन। जब भी स्मार्टफोन, आईपैड, टैबलेट, लैपटॉप या डेस्कटॉप जैसे गैजट खरीदने मार्केट जाते है, तो कई बार कंपयूजन मे पड़ ही जाते है। आपको समझ नही मे नही आता कैसा गैजेट्स खरीदना चाहिए। आइये हम बताते है गैजेट्स खरीदने के कुछ टिप्स

अगर आपको डेस्कटॉप, नोटबुक, नेटबुक और टैबलेट में से किसी एक को चुनना है तो इसमें कन्फ्यूज्ड होकर ज्यादा दिमाग इस्तेमाल करने की आपको कोई जरूरत नहीं हैं।जब आपको इस तरह की कंप्यूटर डिवाइस खरीदनी हो, तो इस बात का ख्याल रखें कि इसका इस्तेमाल कैसे और कहां करना है। अगर आप ज्यादा कंप्यूटिंग करते हैं, तो आपके लिए डेस्कटॉप या फिर लैपटॉप बेहतर रहेगा, क्योंकि इसमें मेमोरी ज्यादा होती है।लेकिन अगर आप सिर्फ इंटरनेट यूज करने या फिर इंटरटेनमेंट और फेंटेसी के लिए खरीदना चाहते हैं, तो आपके लिए नेटबुक या टैबलेट सही रहेगा।

कहां इस्तेमाल करना है

कोई भी नया गैजेट खरीदने से पहले उसकी पोर्टेबिलिटी के बारे में जरूर सोचना चाहिए। खासकर कंप्यूटर के बारे में तो खासतौर पर ऐसा करना चाहिए। अगर आप सिर्फ पोर्टेबिलिटी पर ध्यान देते हैं, तो डेस्कटॉप ज्यादा हैवी और बड़ा लगने लगता है। ऐसे में, स्वाभाविक है कि आपका ध्यान लैपटॉप पर जाएगा। हां, इस बात का जरूर ध्यान रखा जाना चाहिए कि लैपटॉप आपकी जरूरत को पूरा कर रहा है या नहीं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि पोर्टेबिलिटी के चक्कर में आप डेस्कटॉप की बजाय टैबलेट खरीद कर चले आएं और आपका काम अधूरा रह जाए। ऐसे में आपको पोर्टेबिलिटी और अपनी जरूरत के बीच बैलेंस बनाना होगा।

क्या आपको जरूरत है

आप कोई नया गैजट खरीदने का मन बनाते हैं, तो पहले आपको एक बार जरूर सोच लेना चाहिए कि क्या आपको उसकी जरूरत है या नहीं। हो सकता है कि आपकी पुरानी डिवाइस को ही रिपेयर करने या अपग्रेड करने से आपकी जरूरत पूरी हो जाए। दरअसल ऐसा कई बार देखने मिलता है कि हम अपने पुराने गैजट्स को बिना सोचे-समझे रिटायर कर देते हैं, जबकि उसे थोड़ा रिफ्रेश करने की ही जरूरत होती है।

मल्टी फंक्शनल गैजट

क्याआपको एक साथ टैबलेट, नेटबुक और आईफोन की जरूरत है? शायद नहीं। जब आप एक साथ तीन या चार गैजट्स खरीदने की सोचते हैं , तो एक बार मल्टी फंक्शनल गैजेट के बारे में जरूर सोच लेना चाहिए। हालांकि एक बार ऐसा जरूर लगता है कि आईफोन भला कैसे सारी जरूरतों को पूरा कर देगा। लेकिन ऐसे कन्फ्यूजन से दूर रहना चाहिए। आपका स्मार्टफोन स्मॉल कंप्यूटिंग की जरूरत को पूरा करने में सक्षम है और बड़े कामों के लिए तो बड़ा लैपटॉप आपके पास है ही।

सर्विस ऑप्शन

जब भी आप कोई नया सामान खरीदते हैं तो उसकी मेंटनेंस के बारे में जरूर सोचते हैं। इसी तरह से जब आप गैजेट खरीदते हैं तो उसकी मेंटनेंस के बारे में भी सोचते हैं। मान लीजिए आपने आईपॉड खरीदा और वह वह गलती से टूट गया तो आप क्या करेंगे ? इसलिए आपको सर्विस प्लान और इंश्योरेंस के बारे में जरूर सोचना चाहिए। यह आपके लिए ज्यादा सस्ता और बेहतर विकल्प होगा बजाय इसके कि आप रिपेयर और रिप्लेसमेंट के चक्कर में फंसें।

बीरबल की खिचड़ी

सर्दियों की दोपहर थी, ठंड अपने पूरे शबाब पर थी। ऐसे में अकबर व बीरबल धूप का आनन्द लेते हुए महल के सामने चहलकदमी कर रहे थे। तभी एक पंडित फटे-पुराने कपड़े लपेटे उनके निकट आया।

''तुम क्या चाहते हो ?'' अकबर ने पूछा।

''हुजूर मेरी सहायता करें।'' पंडित नमस्कार करने की मुद्रा में हाथों को एकाकार करता हुआ बोला, ''मैं बहुत गरीब आदमी हूँ। काम करना चाहता हूँ, पर ढंग का काम मिलता ही नहीं। जो भी थोड़ा-बहुत कमाता हूं, वह भोजन को भी पूरा नहीं पड़ता। अब मुझे अपनी पुत्री के विवाह के लिए एक हजार सोने के सिक्कों की जरूरत है। मैं अपनी इकलौती पुत्री को दहेज देना चाहता हूँ। आभूषण के अलावा कपड़े और बरतन आदि भी देने होंगे। घर पर लोगों को बुलाकर दावत भी देनी होगी। इसके लिए भी आटा, घी, तेल, मसालों व सब्जियों इत्यादि की जरूरत होगी।''

''भई, जब तुम्हारे पास पैसा नहीं है, तो आभूषण देने की क्या जरूरत है ? जब तुम्हें खुद के खाने को लाले पड़े हैं, तो लोगों को बुलाकर दावत देने की क्यों सोच रहे हो ?'' बादशाह ने पंडित से पूछा''यह तो मेरे जीवन की एकमात्र इच्छा है, जहांपनाह।'' पंडित बोला, ''मैं बेशक एक गरीब पिता हूँ, पर मेरे भी अरमान हैं कि अपनी इकलौती पुत्री की शादी धूमधाम से करूँ यदि आप मुझे धन कमाने का अवसर प्रदान करेंगे तो मैं आपका आभारी रहूंगा। इस समय मुझे अपनी लड़की के विवाह हेतु धन की बहुत आवश्यकता है।''

अकबर बोले, ''ठीक है, हम तुम्हें मौका देंगे कि तुम एक हजार सोने के सिक्के कमा सको। राजमहल की झील के पानी में तुम्हें रात भर खड़ा रहना होगा। सूर्योदय के बाद ही तुम पानी से बाहर निकलोगे।'

बादशाह के शब्द सुनकर बीरबल चिंतित हो उठा। उसे लगा कि वे उस गरीब पंडित के साथ

कहानी

जरूरत से यादा कठोर हो रहे हैं। उसका मानना था कि घोर सर्दी की रात में रात भर ठंडे चिलचिलाते पानी में खड़ा रह पाना संभव ही नहीं है। बेचारा सर्दी से ठिठुरकर दम तोड़ देगा।

लेकिन पंडित प्रसन्न था। वह सैनिकों के साथ राजमहल की झील की ओर बढ़ गया। थोड़ी ही देर बाद वह पानी में खड़ा था।

''यह पंडित तो ठंड के मारे मर जाएगा।''एक सैनिक ने बीरबल से कहा।

''मुझे क्या मालूम।'' बीरबल बोला, ''हो सकता है कि उसमें बर्दाश्त करने की शक्ति हो, पर मुझे लगता नहीं कि वह ऐसा कर पाएगा।''

लेकिन अगले दिन उन सभी की आशा के विपरीत वह पंडित हँसता-मुस्कुराता उनके सामने ठंडे पानी में खड़ा था। सूर्योदय हो चुका था। चेहरे पर विजय के भाव लिए वह पंडित झील के पानी से बाहर निकला।

''तुमने एक असंभव काम को संभव कैसे कर दिखाया ?''

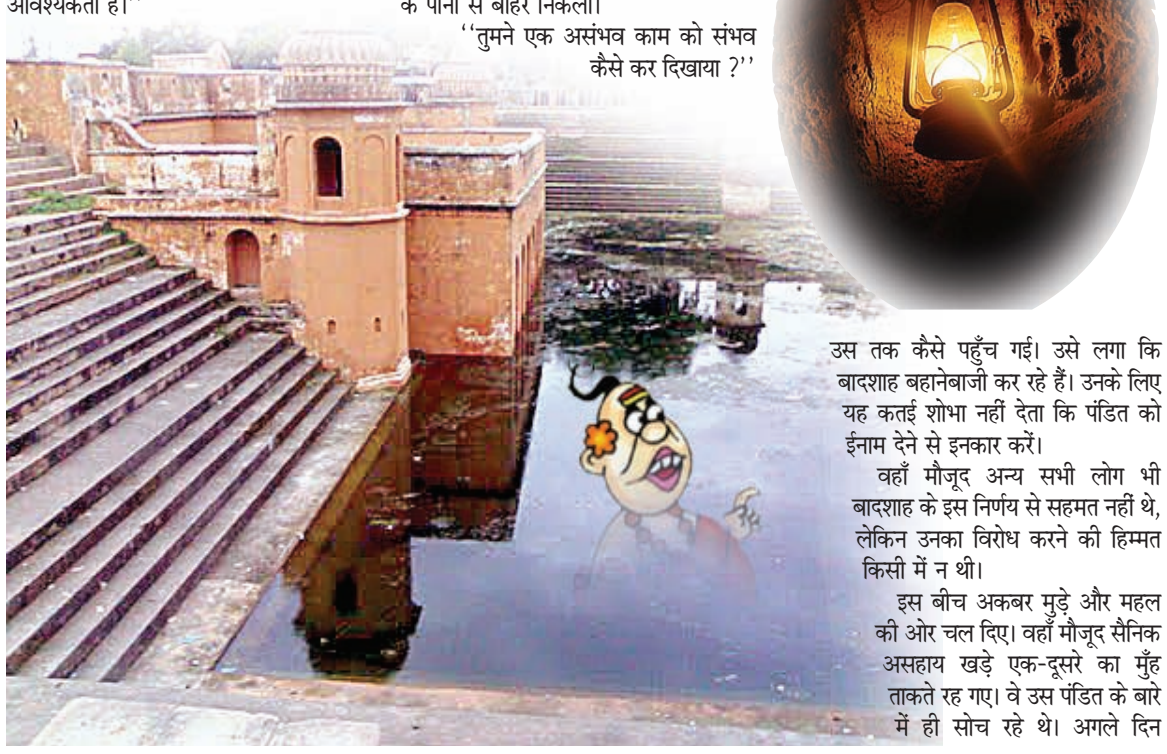

बादशाह ने हैरानी से पूछा, ''यह बेहद कठिन काम था। तुम्हारी हिम्मत की दाद देनी होगी, हमें तो विश्वास ही नहीं हो रहा कि ऐसा भी हो सकता है। हमें बताओ कैसे किया तुमने यह सब ?''

''हुजूर ! इसमें रहस्य की कोई बात नहीं।'' पंडित बोला, ''मैंने सोच रखा था कि चाहे कुछ हो जाए, मुझे यह कर दिखाना है।''

''हम पूछ रहे हैं कि सारी रात ठंडे पानी में रह कर कैसे बिताई ?'' अकबर ने पूछा।

''मैं रातभर महल में जलती मोमबत्तियों की रोशनी को देखता रहा था।'' पंडित बोला।

''अच्छा तो यह बात है।'' अकबर बोले, ''तुम रात भर महल की रोशनियों से गर्मी लेते रहे। इसलिए तुम्हें ठंड महसूस नहीं हुई और रात तुमने आराम से गुजार दी। यह तो ईमानदारी न हुई, तुम ईनाम के हकदार नहीं हो। तुम अपने घर जा सकते हो।''

पंडित को विश्वास ही न हुआ कि वह जो सुन रहा है वह सच है।

यह सुनते ही पंडित को बेहद धक्का लगा। वह समझ नहीं पाया कि झील के ठंडे-ठिठुरा देने वाले पानी में रात भर खड़ा रहा और वहाँ से 100-125 गज दूर दिखने वाली रोशनी की गर्मी

उस तक कैसे पहुँच गई। उसे लगा कि बादशाह बहानेबाजी कर रहे हैं। उनके लिए यह कतई शोभा नहीं देता कि पंडित को ईनाम देने से इनकार करें।

वहाँ मौजूद अन्य सभी लोग भी बादशाह के इस निर्णय से सहमत नहीं थे, लेकिन उनका विरोध करने की हिम्मत किसी में न थी।

इस बीच अकबर मुड़े और महल की ओर चल दिए। वहाँ मौजूद सैनिक असहाय खड़े एक-दूसरे का मुँह ताकते रह गए। वे उस पंडित के बारे में ही सोच रहे थे। अगले दिन बीरबल बादशाह के पास गया और बोला, ''मैं खिचड़ी बनाना सीख रहा हूँ, जहांपनाह। कल आप मेरे घर पर तशरीफ लाएं, मैं आपके लिए विशेष रूप से खिचड़ी तैयार करूँगा।''

अकबर बहुत खुश हुए कि चलो बीरबल ने उन्हें खाने पर बुलाया तो सही।

अगले दिन अकबर जा पहुँचे बीरबल के घर। उनके साथ अन्य दरबारी भी थे। बीरबल ने सभी को फूल भेंट करके उनका स्वागत किया और उसके नौकर उन पर इत्र छिड़क रहे थे। उन्हें एक बड़े कमरे में ले जाकर बैठा दिया गया, जहाँ नरम गद्दे व तकिये बिछे थे। बड़े-बड़े हाथ के पंखे नौकर झल रहे थे।

इस दौरान अकबर मुस्कराते रहे। वे खुश थे कि बीरबल उनकी इतनी आवभगत कर रहा है।

बादशाह ने बीरबल के बारे में एक नौकर से पूछा तो जवाब मिला कि बाहर बगीचे में हैं।

जब उन्हें बैठे-बैठे दो घंटे बीत गए तो वे सभी परेशान हो उठे। बीरबल के घर से उनके लिए एक गिलास पानी तक न आया था।

अकबर को भूख के साथ प्यास भी सता रही थी।

''बीरबल कहाँ हैं ?'' बादशाह ने दोबारा पूछ ही लिया।

''बाहर, बगीचे में हैं।'' एक नौकर ने सादर कहा।

''एक घंटा पहले जब मैंने पूछा था, तब भी तुमने यही जवाब दिया था।'' अकबर बोले, ''आखिर वह बगीचे में क्या कर रहा है ?''

''बेअदबी की माफी चाहता हूँ हुजूर !'' नौकर बोला, ''वे बगीचे में आपके लिए खिचड़ी बना रहे हैं।''

सुनकर अकबर का पारा चढ़ गया, लगे नौकरों पर चीखने-चिल्लाने।

''फिर से माफी चाहूंगा हुजूर !'' नौकर बोला, '' मैंने आपको सब सच बताया है। वह बगीचे में खिचड़ी ही बना रहे हैं।''

''हमें उसके पास लेकर चलो।'' बादशाह बोले।

नौकर बादशाह के साथ बगीचे की ओर बढ़ चला, अन्य दरबारी भी साथ थे।

वहाँ एक ऊंचे खजूर के नीचे आग जलाए बैठा था बीरबल। पास ही लकड़ियों का ढेर पड़ा था।

''कहां है तुम्हारी खिचड़ी ?'' अकबर ने पूछा।

बीरबल चुपचाप उठा और पेड़ के ऊँचे सिरे की ओर उंगली से इशारा कर दिया। वहाँ पेड़ पर एक बरतन लटका हुआ था।

अकबर व उनके साथ आए अन्य दरबारियों ने गर्दन उठा कर पेड़ की ओर ताका।

''यह सब क्या है ? कहते हुए बादशाह का आसमान छूता गुस्सा साफ प्रतीत होता रहा था, ''हम लोग यहाँ भूख से मरे जा रहे हैं और तुम पेड़ पर लटका यह बरतन हमें दिखा रहे हो।'

''गुस्ताखी माफ करें हुजूर !'' बीरबल बोला, ''आपको कुछ देर और इंतजार करना होगा। मैंने चावल, दाल, प्याज व लहसुन आदि सब इस बरतन में डाल दिया है। आप देख ही रहे हैं कि आग में भी मैं बराबर लकड़िया डालता जा रहा हूँ। लेकिन मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि खिचड़ी बनने में इतना समय क्यों लग रहा है।''

वहाँ मौजूद सभी को यह सुनकर ऐसा लगा जैसे बीरबल का दिमाग चल गया है।

''तुम पागल तो नहीं गए हो बीरबल।'' बादशाह बोले, ''बरतन और आग के बीच 10-15 गज का फासला है। इतनी ऊँचाई पर टंगे बरतन तक आंच भला कैसे पहुँचेगी ?''

''मैं तो समझ रहा था कि नीचे जल रही आग की आंच बरतन तक पहुँच रही है।'' बीरबल बोला।

''बेसिर-पैर की बातें मत करो।''

गुस्से में लगभग चिल्लाते हुए बोले अकबर।

''खता माफ हो हुजूर !'' बीरबल बोला, ''ठंडे पानी में रात भर खड़े पंडित तक यदि 100-125 गज दूर स्थित रोशनी गर्मी पहुँचा सकती है तो मैंने तो पेड़ के 10-15 गज नीचे ही आग सुलगा रखी है। वह भला बरतन तक क्योंकर नहीं पहुँचेगी।''

बादशाह समझ गए कि बीरबल ने कहाँ चोट की है।

''अब मैं समझा तुम्हारी बात।'' अकबर बोले, ''हमारी कोई मंशा नहीं थी कि उस पंड़ित के साथ अन्याय करें, हमें अपने किये पर पछतावा है। हम तुम्हें वचन देते हैं कि उस पंडित को दो हजार सोने के सिक्के देंगे। उसे हमारे पास भेजो। हम तुम्हारे आभारी हैं कि तुमने हमारी आँखें समय रहते खोल दीं।''

अब बीरबल प्रसन्न था कि पंडित को उसका ईनाम मिल जाएगा, वह भी दोगुना होकरदो हजार सोने के सिक्के।

बीरबर बोला, ''मेरे साथ घर के अंदर चलें हुजूर ! मैंने आपके खाने की पूरी व्यवस्था कर रखी है। अनेक लजीज पकवान आपका इंतजार कर रहे हैं। हाँ, खिचड़ी भी बनी है आपके लिए।''

यह सुनकर सभी ठहाका लगा कर हंस दिए और बीरबल के घर में प्रवेश कर गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्टारशिप की कामयाबी : मस्क का सपना होगा साकार, मंगल पर बसेंगी बस्तियां

लंदन। स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर इस टेस्ट को कामयाब बताया और कहा, कई टाइल्स और फ्लैप के नुकसान के बाद भी स्टारशिप ने महासागर में सॉफ्ट लैंडिंग करके कामयाबी हासिल कर ली है। उन्होंने कहा, दूसरे ग्रह पर जीवन बसाने की ओर यह एक बड़ा कदम है। मंगल पर कॉलोनी बसाने का सपना देखने वाले एलन मस्क के लिए यह मिशन बहुत ही अहम था। यह रॉकेट पूरी तरह से रीयूजेबल है। एलन मस्क की कंपनी ने इसे बनाया है। स्टारशिप दरअसल एक स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी बूस्टर का मिलाजुला रूप है। यह 150 मीट्रिक टन तक का भार अपने साथ ले जा सकता है। जानकारी के मुताबिक इसे इस तरह से तैयार किया गया है कि एक बार में कम से कम 100 लोगों को मंगल ग्रह तक ले जा सके। यह चौथा टेस्ट था और इसकी अवधि 1 घंटा 5 मिनट और 48 सेकंड थी। बता दें कि मस्क का प्लान है कि 2029 तक इंसानों को मंगल पर पहुंचा दिया जाए। मस्क का कहना है कि पृथ्वी पर कुछ ऐसा हो सकता है जिससे मानवता खत्म हो सकती है। ऐसे में अगर मंगल पर भी कॉलोनी बसा ली जाए तो इंसानों का अस्तित्व बच जाएगा। बता दें कि अब तक के इस सबसे शक्तिशाली रॉकेट को कंपनी के स्टारबेस बोका चिका, टेक्सास से सुबह 7 बजकर 50 मिनट पर लॉन्च किया था। इस स्टारशिप को अंतरिक्ष में भेजा गया और फिर वापस पृथ्वी पर लाया गया। इस टेस्ट का उद्देश्य यही था कि पता लगाया जाए कि स्टारशिप अंतरिक्ष में जाने के बाद जब दोबारा पृथ्वी का वातावरण में लौटता है तो सर्वाइव कर पाता है या नहीं। कंपनी स्पेसएक्स ने भी सोशल मीडिया पर ब ताया कि पानी में लैंडिंग एकदम सफल रही है और इसके लिए स्पेसएक्स की टीम को बधाई। इस ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम में 6 रैप्टर इंजन और सुपर हैवी में 33 रैप्टर इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इससे पहले तीसरा टेस्ट सफल नहीं हो पाया था। इस स्टारशिप को पृथ्वी के वातावरण में एंट्री कराते ही संपर्क टूट गया था। वहीं 18 नवंबर 2023 को स्टारशिप को दूसरा टेस्ट करवाया गया था। यह पृथ्वी की तरफ आ ही नहीं पाया था। 3.2 मिनट के बाद ही 90 किलोमीटर ऊपर यह फट गया था। वहीं स्टारशिप को भी 148 किलोमीटर ऊपर नष्ट करना पड गया। पहले टेस्ट 20 अप्रैल 2023 को कराया गाय था। उड़ान भरने के चार मिनट बाद ही इसमें विस्फोट हो गया था और मेक्सिको की खाड़ी के पास गिर गया था। हालांकि इसको लेकर एलन मस्क ने बताया था कि लॉन्च पैड से उड़ान भरना ही इसके लिए सफलता थी।

39 साल से खोई हुई बेटी की तलाश में मां..... हर बार होता ये दावा

वाशिंगटन । साल 1985 की 22 फरवरी को जब एक 8 साल की लड़की को स्कूल बस ने उसके घर के पास वाले बस स्टैंड के पास छोड़ा। लेकिन लड़की अपने घर नहीं पहुंची। अचानक लड़की कहां गायब हो गई, किसी को पता नहीं चला। आखिरी बार उस मासूम बच्ची को देखने वालों ने बताया कि बस स्टैंड के पास एक रहस्यमयी नीले रंग की 1976 डॉज वैन खड़ी थी, जिसके पास वहां बच्ची थी। उस वैन पर अजीब से चित्र बने थे। तब पुलिस में इसकी जानकारी भी दी गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। लड़की का नाम चेरी महान था, जिसे एक मां ने बच्ची को खो दिया। लेकिन अब 39 सालों बाद अचानक वहां लड़की 46 साल की महिला के रुप में सबके सामने आ गई। खुद को चेरी बताने वाली महिला ने दावा किया कि वह, वहीं लड़की है जो 39 साल से अधिक समय पहले गायब हो गई थी, लेकिन उसकी मां को इस बात पर विश्वास नहीं है। चेरी की मां जेनिस मैकिनी ने कथित तौर पर महिला के दावे को खारिज कर दिया है कि वह उनकी बहुत समय पहले खोई हुई बेटी है, जो अब 46 वर्ष की हो चुकी है। चेरी की मां मैकिनी ने अपनी शंकाएं जाहिर कर कहा, मुझे उस लड़की पर बिल्कुल विश्वास नहीं है। हो सकता है कि उसने अपने मन में सोचा होगा कि वह चेरी है, जबकि वह चेरी जैसी बिल्कुल भी नहीं दिखती। दरअसल, मामले में तब नया मोड़ आया जब पिछले महीने एक अनाम महिला ने मेमोरीज ऑफ चेरी महान फेसबुक ग्रुप पर पोस्ट कर खुद को चेरी बताया, जिसके बाद पुलिस को उसके आश्चर्यजनक दावों की जांच करनी पड़ी। बताया जाता है कि चेरी की तलाश में उसकी मां ने चेरी के बारे में सूचना देने वाले को तब 5,000 डॉलर (लगभग 4 लाख 17 हजार रुपए) का इनाम देने की घोषणा की थी। बावजूद, इसके कुछ जानकारी नहीं मिली। चेरी की मां मैकिनी ने कहा कि मेरी बेटी के लापता होने की तारीख या उसका जन्मदिन जैसे नजदीक आता है, तब अक्सर उसके खोजे जाने की जानकारी देते हैं। लेकिन असलियत में ऐसा कुछ नहीं होता।

इजराइल ने 4 बंधकों को छुड़ाया

तेलअवीव। इजराइल ने हमास की कैद से 4 बंधकों को गोलीबारी के बीच हुए ऑपरेशन में छुड़ाया है। इनमें 25 साल की नोआ अग्रमानी नाम की वो लडक़ी भी है, जिसे हमास लड़ाके जबरन मोटरसाइकिल पर उठा ले गए थे। 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले के बाद नोआ का वीडियो काफी वायरल हुआ था। नोआ के अलावा हमास की कैद से 3 युवकों को छुड़ाया गया है। इजराइली डिफेंस मिनिस्टर याओव गैलेंट ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने पोस्ट कर लिखा कि इजराइल गाजा पट्टी से 4 बंधकों को मुक्त कराए जाने पर बेहद खुश है। इससे पहले इजराइल ने फरवरी में एक ऑपरेशन के दौरान 2 बंधकों को छुड़ा लिया था। हालांकि, 120 इजराइली अब भी हमास की कैद में हैं।

अरबपति रेप के आरोप में गिरफ्तार

ओटावा । कनाडा के मशहूर बिजनेसमैन फ्रैंक स्ट्रोनक को यौन उत्पीडन के आरोप में गिरफ्तार किया गया। स्ट्रोनक दुनिया की सबसे बड़ी ऑटो पार्ट्स कंपनी के फाउंडर हैं। पुलिस ने स्ट्रोनक को फिलहाल कुछ शर्तों पर रिहा कर दिया है। उन्हें बाद में ब्रैम्पटन, ओंटारियो की एक अदालत में पेश होना होगा। कनाडा की पील रिजनल पुलिस ने एक बयान में कहा कि 91 साल के स्ट्रोनक पर 80 के दशक से लेकर 2023 तक महिलाओं का यौन उत्पीडन करने का आरोप है। मशहूर बिजनेसमैन पर रेप, यौन उत्पीडन, महिला को जबरन कैद रखने समेत पांच अपराधों में आरोपी बनाया गया है। पील रिजनल पुलिस कॉन्स्टेबल टेलर बेल ने कहा कि बिजनेसमैन पर एक से अधिक महिलाओं ने शोषण का आरोप लगाया है। हालांकि उन्होंने ये जानकारी नहीं दी कि कितनी महिलाओं ने ये आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह एक हाई-प्रोफाइल मामला है।

यूएन ने इजराइल को ब्लैकलिस्ट किया

न्यूयार्क। गाजा में हमलों के बीच इजराइल पर लग रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों को देखते हुए ह ने उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल के अलावा हमास और फिलिस्तीनी जिहाद को लिस्ट ऑफशेम (शर्मनाक सूची) में शामिल किया है। यूएन सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुटेरेस के ऑफिस ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट के साथ यह लिस्ट फाइनल की। इसके बाद इजराइल के राजूदत गिलाद एर्दन को इसकी जानकारी दी गई। जंग के बीच गाजा में बच्चों पर हो रहे जुल्म को देखते हुए यह फैसला किया गया है। यह पहली बार है, जब इजराइल और हमास को इस लिस्ट में जोड़ा गया है।

पश्चिमी देशों के विरोधियों को हथियार देने पर विचार करेगा रुस

मास्को। रुप के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस पश्चिमी देशों विरोधियों को हथियार भेजने पर विचार करेगा। उन्होंने यह नहीं बताया कि वे किन देशों या संस्थाओं की बात कर रहे हैं। पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि रूस फिलहाल ऐसा नहीं कर रहा है। पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच से कहा कि यदि वे युद्ध क्षेत्र में हथियार उपलब्ध कराते हैं और हमारे क्षेत्र के खिलाफ इन हथियारों का इस्तेमाल करने का आह्वान करते हैं तो हमें ऐसा करने का अधिकार क्यों नहीं है? पुतिन ने बुधवार को चेतावनी दी थी कि रूस पश्चिमी देशों में लक्ष्यों पर हमला करने के लिए अन्य देशों को लंबी दूरी के हथियार मुहैया करा सकता है।

म्यांमार के यांगून में मिस यूनिवर्स म्यांमार 2024 के फाइनल में थेट सैन एंडरसन (बाएं, सामने) को मिस यूनिवर्स म्यांमार 2024 का खिताब दिया गया।

इंग्लैंड में लेबर पार्टी चुनाव जीती तो कराएगी ऑपरेशन ब्लूस्टार की जांच

-इस ऑपरेशन में थैचर सरकार ने की थी भारत की मदद

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में 4 जुलाई को होने वाले आम चुनावों में लेबर पार्टी जीतती है तो वह ऑपरेशन ब्लूस्टार में इंग्लैंड की भूमिका की जांच करवाएगी। हालांकि पहले हुई जांच को लेकर कई ब्रिटिश सिख मानते हैं कि 'वह झूठ है' और वे 'एक स्वतंत्र न्यायाधीश के नेतृत्व वाली सार्वजनिक जांच' की मांग कर रहे हैं। लेबर पार्टी ने यह बात ऐसे समय कही है जब ब्रिटेन में चुनावी सर्वे में लेबर पार्टी के आम चुनावों में जबरदस्त जीत का अनुमान है।

एक रिपोर्ट के अनुसार लेबर पार्टी ने यह 'शपथ' ली है कि वह सिखों के धार्मिक स्थल स्वर्ण मंदिर पर हुई भारतीय सेना की सैन्य कार्रवाई में तत्कालीन ब्रिटिश पीएम मार्गरेट थैचर से जुड़े आरोपों और रोल की विस्तृत जांच करवाएगी। इस कार्रवाई के बाद ही भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ही हत्या कर दी गई थी और सिख विरोधी दंगे हुए थे। लेबर पार्टी के उम्मीदवार जराह सुल्ताना ने भी कहा कि थैचर सरकार ने इसमें जो भूमिका निभाई, उसे छुपा दिया गया। मैं सचाई सामने लाने के लिए जांच की मांग में सिख समुदाय के साथ हूं।

स्लॉ टैन ढेसी के लिए लेबर उम्मीदवार ने एक्स पर लिखा- इंदिरा गांधी द्वारा स्वर्ण मंदिर परिसर पर हमले का आदेश देने के 40 साल बाद भी पीड़ितों को न्याय नहीं मिला है न ही थैचर सरकार की भागीदारी में इंग्लैंड ने कोई जांच करवाई है। बता दें 6 जून 1984 को भारतीय सेना ने हरिमंदिर साहिब परिसर से भिंडरावाले उग्रवादियों को पकड़ने के लिए स्वर्ण मंदिर परिसर में ऑपरेशन ब्लू स्टार के नाम से सैन्य कार्रवाई की थी। गोल्डन टेंपल पर इस सैन्य कार्रवाई के बारे में कुछ खुफिया दस्तावेज सामने आए थे। इनमें ब्रिटेन की भूमिका पर सवाल खड़े हुए थे। बीबीसी की रिपोर्ट कहती है कि इन दस्तावेजों के मुताबिक, इंग्लैंड की तत्कालीन पीएम मारग्रेट थैचर के निर्देश के बाद इस पूरे ऑपरेशन में ब्रितानी स्पेशल एयर सर्विस ने मदद की थी। ब्रिटेन ने फरवरी में ऑपरेशन ब्लू स्टार से पहले, स्वर्ण मंदिर से सिख उग्रवादियों को हटाने की योजना तैयार करने के लिए एक एसएएस अधिकारी को भारत भेजा था जिसे इंदिरा गांधी ने ऐसा करने के लिए कहा था। ब्रिटेन में सत्तासीन कंजरवेटिव पार्टी से इतर इस बार चुनाव में लेबर पार्टी सबसे बड़ी जीत हासिल कर सकती है। बता दें कि इस समय ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक हैं और वह कंजरवेटिव पार्टी से हैं। सर्वे करने वाली एजेंसी यूगॉव ने इसके भारी बहुमत से जीतने की भविष्यवाणी की है। डिप्टी लेबर लीडर एंजेला रेनोर ने कहा कि जैसा कि हम स्वर्ण मंदिर पर छापे की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। लेबर ब्रिटेन द्वारा निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका की जांच के आह्वान में सिख समुदाय के साथ खड़ी है। लेबर सरकार इस सच्चाई का पता लगाने के लिए हर कोशिश करेगी।

पीएम मोदी के बाद अब भारतीय न्यायपालिका के दीवाने हुए इमरान खान

कराची । जेल जाने के बाद ऐसा लगता है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को भारत से प्रेम हो गया है। बीते कुछ सालों में कई चीजों के लिए भारत की तारीफ करने वाले इमरान भारतीय न्यायपालिका के दीवाने हो गए है। उन्होंने अपने केस की सुनवाई के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का हवाला देकर भारतीय न्यायिक व्यवस्था की तारीफ की। इमरान ने सुनवाई के दौरान पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यी बेंच के सामने कहा कि हमारे पड़ोसी मुल्क में एक ऐसी न्यायपालिका है, जो चुनाव प्रचार के लिए जेल में बंद एक मुख्यमंत्री को जमानत पर रिहा कर देती है। बेंच से उन्होंने कहा कि अप्रैल 2022 में सत्ता से हटाए जाने के बाद से ही उनकी प्रताड़ना हो रही है। इस पर जस्टिस मिनाल्लाह ने सहानुभूति जताकर कहा कि आप एक बड़ी पार्टी के नेता हैं, इस करोड़ों लोग सपोर्ट करते हैं। इमरान ने कहा कि पांच दिनों के भीतर उन्हें सजा सुना दी गई, जो आम चुनाव से उन्हें दूर रखने की एक सोची समझी साजिश थी। इमरान ने उल्लेख किया कि भारत में आम चुनाव के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत पर रिहा किया था ताकि वह अपनी पार्टी के लिए चुनाव प्रचार कर सकें, लेकिन वह (खान) पाकिस्तान में अत्याचार का सामना कर रहे हैं जहां अघोषित मार्शल लॉ लगा हुआ है। इसके पहले इमरान कई बार पीएम मोदी और उनकी नीतियों की तारीफ कर चुके हैं।

पुतिन का दावा- तमाम प्रतिबंधों के बाद भी रूस की अर्थव्यवस्था हो रही मजबूत

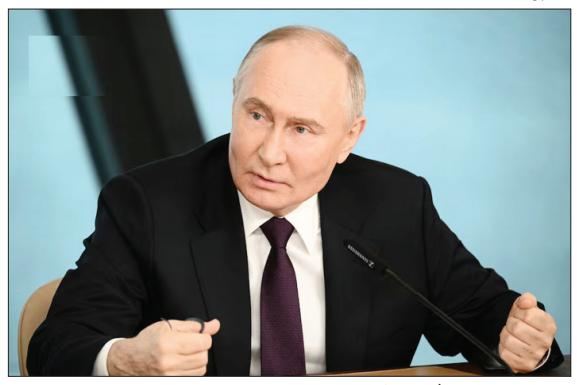

मास्को। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि तमाम अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रूसी अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से बढ़ रही है। पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में बोलिविया व जिम्बाब्वे के नेताओं और व्यापार जगत के दिग्गजों को संबोधित करते हुए कहा कि रूस वैश्विक व्यापार में एक मुख्य साझेदार बना हुआ है, बावजूद इसके कि यूक्रेन में सैनिकों को भेजने के लिए देश कई प्रतिबंधों की मार झेल रहा है। रूस दशकों से इस फोरम का इस्तेमाल देश के विकास का बखान करने के लिए करता आ रहा है, हालांकि पश्चिमी देशों के अधिकारियों और निवेशकों ने इस सत्र से दूरी बनाए रखी क्योंकि प्रतिबंधों की वजह से रूस का पश्चिमी यूरोप, अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ व्यापार काफी हद तक बंद हो चुका है।

पुतिन ने कहा कि रूस ने अफ्रीका, पश्चिमी एशिया और एशिया में कई देशों के साथ आर्थिक संबंधों में विस्तार किया है। रूस की आर्थिक वृद्धि का मुख्य कारण यूक्रेन में जारी युद्ध है, जो क्रेमलिन के लिए अब आर्थिक रूप से उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि राजनीतिक रूप से। रूस पर आयात को लेकर भारी प्रतिबंध लगे हुए हैं, जिसकी वजह से अधिकतर वैश्विक ब्रांड देश के बाजारों से गायब हैं या फिर उनकी जगह रूसी ब्रांड ले चुके हैं। हालांकि रूसियों के लिए आर्थिक रूप से बहुत कुछ नहीं बदला है क्योंकि सैन्य उपकरणों के लिए बड़े पैमाने पर खर्च और स्वयंसेवक सैनिकों को भारी भुगतान से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री पर घर के बाहर हमला, आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस ने हमले का मकसद और आरोपी की पहचान बताने से किया इनकार

स्टॉकहोम। डेनमार्क की पीएम मेटे फ्रेडरिक्सन पर कोपेनहेगन में एक शख्स ने पीछे से हमला कर दिया। फ्रेडरिक्सन के घर से कुछ ही दूर हुए इस हमले से पीएम परेशान हो गईं। पुलिस ने इस घटना की पुष्टि की है, लेकिन इस पर और जानकारी देने से इनकार कर दिया।

वहीं मीडिया रिपोर्ट में पीएमओ के हवाले से बताया गया है कि शुक्रवार शाम को कोपेनहेगन के कुल्टोरवेट में पीएम मेटे फ्रेडरिक्सन पर एक व्यक्ति ने हमला कर दिया जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया है। पीएम मेटे घटना से परेशान हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि घटना के चश्मदीदों ने बताया कि एक आदमी पीछे से आया और पीएम मेटे को जोर से धक्का मारा, उन्होंने खुद को संभाला और जमीन पर गिरने से बच गईं। इस घटना के बाद हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान और हमले के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चल सका है।

यह हमला डेनमार्क में यूरोपीय संघ के चुनाव में मतदान से दो दिन पहले हुआ है। 46 साल की फ्रेडरिक्सन चार साल पहले सेंटर-लेफ्ट सोशल डेमोक्रेट्स की नेता के रूप 2019 में पीएम बनीं थी। इस तरह वह डेनिश इतिहास की सबसे कम उम्र की पीएम हैं।

यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस हमले को 'घिनौनी हरकत' बताया है। वहीं यूरोपन काउंसिल के प्रेसिडेंट चार्ल्स मिशेल ने एक्स पर कहा कि मैं इस कृत्य की कड़ी निंदा करता हूं। स्वीडिश पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन और विदेश मंत्री टोबियास बिलस्ट्रॉम ने भी हमले की निंदा की है। बता दें पिछले महीने भी ऐसी ही एक घटना में स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिको को गोली मार दी गई थी, हालांकि वी बच गए थे इसके अलावा, जर्मनी में चुनाव प्रचार के दौरान पिछले महीने सोशल डेमोक्रेट नेता एमईपी मैथियास के साथ मारपीट कर दी गई थी।

पाकिस्तान परमाणु हथियारों के जखीरे की सुरक्षा को मजबूत करने बना रहा सुरंग

-इस बात का खुलासा सैटलाइट तस्?वीरों से हुआ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने अपने परमाणु हथियारों के जखीरे की सुरक्षा को मजबूत साइलो (सुरंग) बना रहा है ताकि उसके अंदर परमाणु मिसाइलों और वारहेड को सुरक्षित रख सके। इस बात का खुलासा सैटलाइट तस्वीरों से हुआ है।

पाकिस्तान पूरे देश में अपने परमाणु ठिकानों के चारों ओर बड़ी बड़ी सुरंगे बना रहा है और उसके प्रवेश द्वार की तस्वीरें अब सामने आ गई हैं। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान को डर है कि भारत उसके परमाणु ठिकानों को तबाह कर सकता है। इससे पाकिस्तान सरकार परमाणु बम के जखीरे के आसपास सुरंगे बना रही है ताकि उसे सुरक्षित रखा जा सके। रक्षा विशेषज्ञ और भारतीय सेना में पूर्व कर्नल विनायक भट्ट ने इन तस्वीरों को जारी किया है।

भट्ट ने बताया कि पाकिस्तान ने अपने न्यूक्लियर अलर्ट के स्तर को भी बदला है। हाल ही में पाकिस्तान ने कहा था कि उसकी परमाणु हथियारों को लेकर कोई नो फर्स्ट यूज की नीति नहीं है। अगर उसे खतरा लगा तो परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु बम हैं। वहीं भारत ने भी कहा कि अगर कोई भी देश परमाणु हमला करता है तो भारत की ओर से जवाबी हमला किया जाएगा।

बता दें कि अमेरिका खुफिया अधिकारी ने खुलासा किया था कि पाकिस्तान कंगाली के बाद भी अपने परमाणु कार्यक्रम को बहुत तेजी से बढ़ा रहा है। पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव बना हुआ है और इसको देखते हुए पाकिस्तान परमाणु बमों को बनाने का काम जारी रखे हुए है। अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने संसद में सुनवाई के दौरान यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय कश्मीर विवाद सुलझाने में मदद करे।

बता दें पाकिस्तान अरबों डॉलर के कर्ज डूबा है और आईएमएफ से लोन लेकर अभी डिफॉल्ट से बचा हुआ है। इसके बाद भी पाकिस्तान परमाणु बमों पर अरबों रुपये खर्च कर रहा है। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम में चीन बड़ी भूमिका निभा रहा है। अमेरिकी जनरल ने कहा कि पाकिस्तान अपने परमाणु हथियारों को आधुनिक बना रहा है। साथ ही परमाणु सामग्री की सुरक्षा को पुख्ता कर रहा है। पिछले साल अक्टूबर में पाकिस्तान ने परमाणु हथियार ले जाने वाली अबाबील मिसाइल का परीक्षण किया था।

हज यात्रा एक धार्मिक आयोजन है ना कि राजनीति का मंच

-सऊदी सरकार ने यात्रियों को बेहतर सुविधा देने कई नियम बदले

रियाद (एजेंसी)। हज यात्रा करने दुनियाभर से लाखों मुसलमान सऊदी अरब पहुंचे हैं। हज यात्रा के दौरान राजनीतिक नारेबाजी और प्रदर्शन के कुछ मामले भी सामने आए हैं। इस पर सऊदी अरब सरकार ने नाराजगी जताई है। सऊदी सरकार ने कहा कि हज यात्रा एक धार्मिक आयोजन है ना कि राजनीति का मंच। ऐसे में यहां आए हाजी धार्मिक अनुष्ठान यानी अरकानों पर ही ध्यान दें। सऊदी सरकार का यह बयान ऐसे समय आया है, जब दुनिया भर के मुसलमान गाजा में इजरायल के सैन्य अभियान की निंदा कर रहे हैं। इसे देखते हुए सऊदी अरब ने हज को राजनीतिक विरोध के मंच की तरह इस्तेमाल करने के प्रति चेताया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब हज मंत्री तौफीक अल रबिया ने एक बयान में कहा कि हज इबादत के लिए है ना कि राजनीतिक नारेबाजी करने की जगह। हज पर आए लोगों को इससे बचना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हज यात्रा इबादत, शांति और आध्यात्मिकता के उच्चतम स्तर का प्रतीक है। हज यात्रा राजनीतिक प्लेटफॉर्म की तरह इस्तेमाल ना हो।

उन्होंने कहा कि हमने नियमों का पालन के लिए काम किया है। इस साल सऊदी सरकार हज यात्रा के दौरान राजनीतिक बैनर उठाने या नारे लगाने के किसी भी प्रयास पर बैन लगाने पर विचार कर रही है। इस साल के हज के लिए रेकॉर्ड संख्या में मुस्लिम सऊदी अरब गए हैं। सऊदी सरकार ने बेहतर सुविधा देने की बात कहते हुए कई नियम बदले हैं, जिससे एक तरफ हाजियों को सुविधा तो होगी तो चूक होने पर मुश्किल का भी सामना करना पड़ सकता है। सऊदी अरब ने बिना परमिट के बिना हज करने की कोशिश करने वालों के लिए घोषणा की है कि बिना परमिट के लोगों को हज करने वाले व्यक्ति पर 50 हजार रियाल (करीब 11 लाख भारतीय रुपए) का जुर्माना लगाया जाएगा। सऊदी अरब के हज मंत्रालय ने इस साल पवित्र स्थलों में एंट्री देने के लिए तीर्थयात्रियों के लिए आधिकारिक तौर पर नुसुक कार्ड लॉन्च किया है। नुसुक कार्ड सभी हाजियों को दिया जाएगा ताकि फर्जी तरीके से किसी को पवित्र स्थलों में एंट्री करने से रोका जा सके। इतना ही नहीं मक्का में एंट्री के लिए भी परमिट की जरूरत होगी, बिना परमिट मक्का में एंट्री नहीं दी जाएगी।

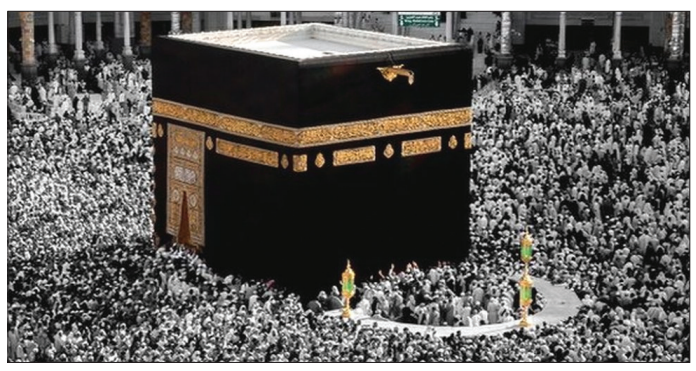

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बदली हुई फिजा में सम्राट को नीतीश का साथ पसंद.....लेकिन रुड़ी का बदलाव का राग

पटना । (एजेंसी)

बिहार भाजपा में इनदिनों क्या चल रहा है, किसी की समझ में नहीं आ रहा है। संसदीय चुनाव में पांच सीटें गंवाने के बाद सम्राट चौधरी को नीतीश का नेतृत्व कबूल करने को तैयार हैं, तब राजीव प्रताप रूड़ी अपने पुराने अंदाज में नेतृत्व परिवर्तन चाहते हैं। दरअसल बिहार में भाजपा ने अपने हिस्से की 17 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन पांच सीटें हार गई। बक्सर, पाटलिपुत्र, औरंगाबाद, आरा और सासाराम में भाजपा को शिकस्त खानी पड़ी। जिन 12 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की, उनमें एक सीट सारण रही।सारण संसदीय क्षेत्र से तीसरी बार रूड़ी ने जीत दर्ज की है। उन्होंने लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य को मात्र 13 हजार 661 वोटों से हरा कर जीत दर्ज की। दिलचस्प ये हैं कि लगातार पांच बार से रूड़ी का मुकाबला लालू यादव के परिवार और उनके नजदीकी रिश्तेदार से रहा है, लेकिन सिर्फ एक बार ही लालू यादव की पार्टी आरजेडी को कामयाबी मिली। 2004 और 2009 में सारण का प्रतिनिधित्व कर चुके लालू को चारा घोटाले में दोष सिद्ध होने के कारण 2014 में चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिला। उन्होंने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को उम्मीदवार बनाया। जीत भाजपा प्रत्याशी राजीव प्रताप रूड़ी के खाते में गई। 2019 में आरजेडी प्रत्याशी बने लालू यादव के समधी चंद्रिका प्रसाद राय सीट से उतरे। उन्हें भी राजीव प्रताप से हारना पड़ा। 2014 में राबड़ी देवी 40 हजार मतों से हारीं, तब 2019 में चंद्रिका प्रसाद राय 1.38 लाख वोटों से हारे। इस बार लालू की बेटी रोहिणी आचार्य राजीव प्रताप रूड़ी से हार गईं। रूड़ी अगर तीसरी बार जीते हैं, तब उनकी ताकत पर गौर किया जा सकता है, पर उनके खिलाफ भाजपा के भीतर सबकुछ ठीक नहीं है। साल भर पहले उन्होंने बिहार का नेतृत्व करने का दावा किया था। इसमें यकीनन भाजपा की सहमति नहीं ही रही होगी। इसकारण तब भाजपा ने सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर उन्हें नेतृत्व देने का संकेत दिया था। सम्राट में लोग यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त छवि देख रहे थे। उन्होंने भी नीतीश कुमार को बिहार की गद्दी से उतारने तक सिर पर बंधा पाग न उतारने की शपथ ली थी। यह स्थिति तब थी, जब नीतीश महागठबंधन की सरकार चला रहे थे।

अब स्थितियां पूरी तरह पलट गई हैं। सम्राट ने अपने रुख में बदलाव कर लिया है। वे अब नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कह रहे हैं। नीतीश मंत्रिमंडल में दूसरे डेप्युटी सीएम विजय कुमार सिन्हा को भी नीतीश के नेतृत्व से कोई गुरेज नहीं है। पर, पार्टी लाइन से अलग हटकर रूड़ी दूसरा ही राग अलाप रहे हैं। वे कहते हैं कि बिहार में अब नेतृत्व परिवर्तन जरूरी हो गया है। वे आरोप लगाते हैं कि उन्हें हराने की भी एनडीए के कुछ नेताओं ने कोशिश की। उनका इशारा नीतीश कुमार की ओर है। हालांकि सच यह है कि नीतीश ने रूड़ी के लिए सारण में सभा भी की थी।

तिर्की सहित वंदे भारत के 10 लोको पायलट को पीएम के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में बुलाया

- तिर्की ने कहा, कभी नहीं सोचा था कि इतने बड़े कार्यक्रम में रेलवे कर्मी को बुलाया जाएगा

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए रांची रेलमंडल के लोको पायलट एएसपी तिर्की को आमंत्रण मिला है। वह रांची-हावड़ा और रांची-वाराणसी वंदेभारत एक्सप्रेस में लोको पायलट हैं। रांची-हावड़ा वंदेभारत का पहला संचालन करने वाले पहले आदिवासी लोको पायलटों की सूची में भी हैं। वह अपनी पत्नी सामाजिक कार्यकर्ता मेरी तिर्की के साथ शुक्रवार को दिल्ली पहुंच गए। वह बिरसा चौक के पास रहते हैं। कहा कि इस कार्यक्रम में बुलाया जाना गर्व की बात है। इससे मन में उत्साह और कार्य में ऊर्जा का संचार होता है। बता दें कि देशभर से बेहतर 10 लोको पायलट को इस समारोह के लिए बुलाया गया है। एसएसपी तिर्की ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि इतने बड़े कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कभी उनके जैसे साधारण रेलवे कर्मी को बुलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह अपने काम के प्रति हमेशा ईमानदार रहे हैं। पीएम के शपथ ग्रहण का निमंत्रण पाकर उन्हें काफी गर्व महसूस हो रहा है। तिर्की वर्तमान में रांची से बनारस और रांची से हावड़ा जाने वाली वंदे भारत ट्रेन के चालक हैं। वह राजधानी जैसी ट्रेनों में भी चालक रह चुके हैं। लोको पायलट की पत्नी ने कहा कि पति को मिले सम्मान से वह बहुत खुश हैं। एशिया की पहली लोको पायलट सुरेखा यादव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथग्रहण समारोह में शामिल होंगी। मध्य रेलवे के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। अधिकारी ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-सोलापुर से वंदे भारत ट्रेन का संचालन कर रहीं यादव उन दस लोको पायलट में शामिल हैं जिन्हें नौ जून को नयी दिल्ली में आयोजित होने वाले समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को एनडीए संसदीय दल के नेता नरेंद्र मोदी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। उनकी तीसरी बार ताजपोशी की तैयारी पूरी हो गई है। नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह नौ जून को राष्ट्रपति भवन में शाम 7.15 बजे होगा।

आखिरकार.....सीबीआई की जद में आ ही गए लालू के बेटे तेज

तेज प्रताप यादव ही बचे थे इस मामले में लालू परिवार से

नई दिल्ली । (एजेंसी)

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद और उनके परिवार के सदस्यों की कथित संलिप्तता वाले नौकरी के बदले जमीन घोटाले में अपना अंतिम आरोपपत्र दाखिल किया। सीबीआई अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीबीआई द्वारा विशेष अदालत को सौंपी गई अंतिम रिपोर्ट में उन सभी रेलवे जोन को शामिल किया गया है, जहां लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर जमीन लिए जाने के एवज में नौकरी दी गई थी। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने पर सीबीआई ने विशेष न्यायाधीश (सांसद/विधायक मामले) के समक्ष 78 आरोपियों के खिलाफ अपना तीसरा और अंतिम आरोप पत्र दाखिल किया। आरोपियों में लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजप्रताप यादव (जिनके खिलाफ पहली बार आरोप पत्र दाखिल किया गया है), बेटी हेमा यादव, पूर्व ओएसडी भोला यादव और राजद प्रमुख के एक पूर्व कर्मचारी सदस्य शामिल हैं। अभी तक लालू परिवार में तेज प्रताप ही थे जो सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की जद में आने से बचे हुए थे। लेकिन लैंड फॉर जॉब स्कैम में आखिरकार उनका नाम भी आरोपियों की लिस्ट में शामिल हो गया। सीबीआई ने अपनी आखिरी चार्जशीट में आरोपियों के खिलाफ आपराधिक षडयंत्र के साथ-साथ धोखाधड़ी और जालसाजी से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धाराएं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधान भी लगाए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों में 29 रेलवे अधिकारी, 37 अभ्यर्थी और छह अन्य निजी व्यक्ति शामिल हैं। सीबीआई ने कहा कि जांच के दौरान, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पाया कि लालू प्रसाद ने रेलवे के अधिकारियों, अपने परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के साथ मिलकर एक आपराधिक साजिश को आगे बढ़ाते हुए, मौजूदा दिशानिर्देशों का पूर्ण उल्लंघन करते हुए भारतीय रेलवे के 11 जोनों में 'ग्रुप डी' के पदों पर नियुक्ति की।

सीबीआई ने कहा कि यह कार्य उम्मीदवार द्वारा स्वयं या उसके परिवार के सदस्यों द्वारा भूमि हस्तांतरण के बदले में किया गया। उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए पात्र बनने के लिए उम्मीदवारों ने फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किए।

अनियंत्रित कार ने लोगों को कुचला.....बच्चे सहित तीन लोगों की मौत

सूरत । (एजेंसी)

गुजरात के सूरत शहर के मोटा वराछा इलाके में तेज रफ्तार में जा रही एक कार ने सड़क किनारे बैठे कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में एक बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। हादसे को अंजाम देने वाले कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार रात करीब 11.30 बजे शहर के बाहरी रिंग रोड पर हुई। उन्होंने कहा कि कार चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार सड़क से उतर गई और सड़क के किनारे बैठे लोगों को कुचल दिया। घटना में आठ साल के बच्चे वियान और उसके 32 वर्षीय चाचा संकेत बावरिया व एक अन्य की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जिस कार ने लोगों को कुचला, वहां अहमदाबाद से आ रही थी। कार चालक को नींद की झपकी आ गई थी। जब कार चालक को लगा कि कार अनियंत्रित हो गई है, तब कार चालक ने अचानक ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबा दिया, जिससे कार की स्पीड बढ़ गई। नतीजतन, कार पास के इलाके के लोगों के ऊपर चढ़ गई। ये लोग सड़क के किनारे बैठे थे। उसमें से तीन लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। कार चालक की पहचान 40 वर्षीय याग्नेश गोहिल के रूप में हुई है, याग्नेश को गिरफ्तार कर लिया गया है।

शाह, नडडा और राजनाथ..... सहयोगियों से कर रहे बातचीत

मोदी मंत्रिमंडल के लिए चुने जा रहे चेहरे

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

केंद्रीय मंत्रिपरिषद में करीब 12 से 15 स्थान एनडीए सहयोगियों को मिल सकते हैं। भाजपा के शीर्ष नेता रविवार को मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण से पहले गठबंधन सहयोगियों के साथ चर्चा शुरू कर चुके हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह और राजनाथ सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अपने आवास पर सहयोगियों के साथ चर्चा में लगे हुए थे। सूत्रों के मुताबिक, पहली बैठक राकांपा के अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल और समीर भुजबल के साथ हुई, उसके बाद रालोद प्रमुख जयंत चौधरी की बैठक हुई। सूत्रों ने बताया कि भाजपा गृह, विदेश, रक्षा और वित्त मंत्रालयों के साथ-साथ रेलवे, सड़क परिवहन, कानून, सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा जैसे कुछ अन्य प्रमुख मंत्रालयों को अपने पास रखना चाहती है। सहयोगी गुट से मंत्री के तौर पर टीडीपी के राममोहन नायडू, एलजेपी के चिराग पासवान, जेडीयू के ललन सिंह, जेडीएस के कुमारस्वामी और अपना दल की अनुप्रिया पटेल के नाम चर्चा में हैं। सूत्रों ने कहा है कि टीडीपी और जेडीयू अपने राज्यों (क्रमशः आंध्र और बिहार) के लिए फंड में अधिक रुचि रखते हैं, वित्तीय पैकेज उनकी प्राथमिकता है। टीडीपी, जो 16 सांसदों के साथ एनडीए में सबसे बड़ा दल है, उस मंत्रिपरिषद में कम से कम तीन बर्थ मिल सकती हैं, जिसमें एक कैबिनेट पद और दो राज्य मंत्री शामिल हैं। 2018 में, टीडीपी के एनडीए छोड़ने से पहले, नरेंद्र मोदी सरकार में उसके एक कैबिनेट मंत्री और एक राज्य मंत्री थे। तब टीडीपी के भी 16 सांसद थे, लेकिन इस बार उसका महत्व कहीं ज्यादा है। इस तरह जद-यू तीन पदों, एक पूर्ण कैबिनेट मंत्री पद और दो राज्य मंत्रियों की दौड़ में हो सकता है। जद-यू ने संयोगवश 2019 में चार सीटें मांगी थीं, तब पार्टी ने लोकसभा चुनाव में 16 सीटें जीती थीं, लेकिन भाजपा नहीं मानी और जद-यू मंत्रिमंडल से बाहर रही।

हार का पूरा ठीकरा कांग्रेस पर फोड़ने लगी आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सियासी गठबंधनों की ये परंपरा रही है कि चुनाव जीते तो ठीक, नहीं तो हार का ठीकरा एक दूसरे पर फोड़ने में देर नहीं लगती है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच भी कुछ इसी तरह की हलचल मची हुई है। दिल्ली और हरियाणा में दोनों ने मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा और हार गए। अब आम आदमी पार्टी हार की पूरी जिम्मेदारी कांग्रेस पर ढोल रही है। दो दिन पहले ही दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने कहा था कि दिल्ली विधानसभा के लिए देशभर में कोई गठबंधन नहीं बना है और हम दिल्ली में अपनी अपनी पूरी ताकत से विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। अब हरियाणा में भी पार्टी इसी राह पर आगे बढ़ रही है।

दरअसल आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और हरियाणा में गठबंधन कर चुनाव लड़ा था और दोनों ही राज्यों में पार्टी का खाता नहीं खुल सका। हरियाणा में आम आदमी पार्टी के खाते में चुनाव लड़ने के लिए कुरुक्षेत्र की एक सीट आई थी लेकिन यहां भी उसे हार का सामना करना पड़ा, जबकि गठबंधन की सहयोगी कांग्रेस राज्य में शून्य से बढ़कर पांच सीटें जीतने में कामयाब रही। आप ने कुरुक्षेत्र में मिली हार का ठीकरा अब कांग्रेस नेताओं पर फोड़ना शुरू कर दिया है। आम आदमी पार्टी के हरियाणा प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला और अशोक अरोड़ा पर निशाना साधते हुए उन पर भितरघात करने का शक जताया। अनुराग ढांडा ने कहा कि कुछ ताकतों ने यह कोशिश की कि हरियाणा में आम आदमी पार्टी की भ्रूण हत्या की जाए। क्योंकि उन्हें लगा कि यदि आप कुरुक्षेत्र में जीतती है तो हरियाणा की राजनीति में तूफान आ जाएगा और बड़े राजनीतिक दलों को दिक्कत हो जाएगी। इसलिए आप की भ्रूण हत्या की साजिश की गई है। अनुराग ढांडा ने कहा, जो साजिशें कुरुक्षेत्र में की गई, उसकी असल वजह आने वाले दिनों में समीक्षा के बाद आएगी, लेकिन हमारे कार्यकर्ता जो हमें बता रहे हैं वो संदेह पैदा करता है।

कैथल में जिस रणदीप सुरजेवाला को कद्दावर नेता माना जाता है। वह कई राज्यों में प्रभारी भी रहे हैं।

बीजेपी को जो भी वोट मिला वह उनका प्रशासनिक तंत्र और घपलेबाजी से मिला

अखिलेश यादव ने गठबंधन के पराजित उम्मीदवार को दी 'सम्मांसद की जन-उपाधि

लखनऊ। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक दल समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी की कुछ सीटों पर बीजेपी पर प्रशासनिक घपले का आरोप लगाते हुए गठबंधन के पराजित उम्मीदवारों को 'सम्मांसद करार दिया। यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर एक संदेश में लोकसभा चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम मानते हैं कि हमारे जो भी प्रत्याशी भाजपाई-प्रशासनिक घपलों की वजह से हार गए सही मायने में वह सब भी जीते हैं।

यादव ने कहा कि है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता ने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को भरपूर समर्थन व सम्मान दिया है। इसीलिए ऐसे सभी जुझारू प्रत्याशियों को हम जनता के सच्चे प्रतिनिधि के रूप में, किसी भी अन्य सांसद के बराबर मानते हुए, जनता द्वारा मत के रूप में उनको दिये गये सम्मान का मान करते हुए, आज से 'सम्मांसद की जन-उपाधि से सुशोभित मानते हैं। आने वाला समय उनका ही होगा।

इससे पहले संदेश में सपा प्रमुख ने अपनी बात की शुरुआत करते हुए कहा यूपी का संदेश हम सभी से नई उम्मीदों और नई अपेक्षाओं का जनादेश है। इस जनादेश को हम एक नए दायित्व के रूप में स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा इंडिया गठबंधन के सभी सांसद अपने कर्तव्य को बखूबी निभाएंगे, जनता हमारी प्राथमिकता है और सदैव रहेगी। सपा प्रमुख अखिलेख ने कहा कि सदैव याद रखें हर शोषित, पीड़ित, वंचित की सेवा ही हम सबका सर्वप्रथम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि समस्त मन निर्वाचित-नवनिर्वाचित सम्मांसदों को भी बधाई। इन समस्त मन-निर्वाचित सम्मांसदों को भी जनता से जुड़े रहने और हर शोषित, पीड़ित, वंचित की सेवा में लगे रहने के लिए अनंत शुभकामनाएं। हर वर्ग के प्रति आभार प्रकट करते हुए यादव ने कहा एक बार फिर से प्रदेश के सभी किसान, मज़दूर, कारीगर, महिला, युवा, व्यापारी-कारोबारी, नौकरीपेशा, सरकारी कर्मचारी-अधिकारी के रूप में समस्त समझदार मतदाताओं को, इन सभी 'सांसदों और 'सम्मांसदों को मत और मन से चुनने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद-शुक्रिया और हृदय से आभार।

राष्ट्रपति भवन में नहीं होगी चेंज ऑफ गार्ड सेरेमनी

नई दिल्ली । राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह और राष्ट्रपति द्वारा संसद के दोनों सदनों को संबोधित करने की तैयारी के कारण 8, 15 और 22 जून, 2024 को राष्ट्रपति भवन में चेंज ऑफ गार्ड सेरेमनी नहीं होगी। इस बीच, पीएम मोदी के शपथ ग्रहण समारोह से पहले, दिल्ली पुलिस के शीर्ष अधिकारियों ने राष्ट्रपति भवन में सुरक्षा की गहन समीक्षा की। शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने वाले विदेशी गणमान्य अतिथियों के लिए विशेष सुरक्षा उपायों की भी व्यवस्था की गई है, जिसमें तीन निर्दिष्ट होटलों में प्रोटोकॉल को बढ़ाया गया है, जहां वे ठहरेंगे। जमीनी सुरक्षा के अलावा दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को एक पब्लिक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली के ऊपर नो-फ्लाई जोन की घोषणा की गई है। सलाह में उप-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों के संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिसका उद्देश्य शपथ ग्रहण समारोह के दौरान आपराधिक, असामाजिक तत्वों या आतंकवादियों से किसी भी संभावित खतरे को रोकना है। दिल्ली पुलिस ने ट्वीट में कहा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में शपथ ग्रहण समारोह के मद्देनजर, आपराधिक, असामाजिक तत्वों या भारत विरोधी आतंकवादियों से आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को खतरा न हो इसके लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। पब्लिक एडवाइजरी में आगे कहा गया है कि यह प्रतिबंध 9 जून से 10 जून, 2024 तक प्रभावी रहेगा। उल्लंघन करने वालों को भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत दंड का सामना करना पड़ेगा। शुक्रवार को भारत के राष्ट्रपति द्वारा नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में औपचारिक रूप से नियुक्त किए जाने के बाद सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूपी की इस सीट पर खूब चला नोटा का सोटा

लगातार मतदाता कर रहे नोटा का प्रयोग

वाराणसी । चुनाव में अगर कोई भी प्रत्याशी पसंद नहीं है, तब उनके लिए चुनाव आयोग (ईसीआई) ने नोटा यानी इनमें से कोई नहीं का विकल्प दे रखा है। पूर्वांचल में आम बोलचाल में नोटा को सोटा यानी हंटर मारना कहा जाता है। चुनाव नतीजों के अनुसार नोटा का सोटा चलाने में यूपी की अंतिम लोकसभा सीट रॉबर्ट्सगंज के मतदाता फिर अव्वल रहे। यहां के 19,032 मतदाताओं ने नोटा को वोट दिया। यह आंकड़ा यूपी के सभी लोकसभा क्षेत्रों में नोटा का बटन दबाने के मामले में पहले नंबर पर है। नोटा का इस्तेमाल कई चुनावों से हो रहा है और हर चुनाव में नोटा का आंकड़ा बढ़ रहा है। 2019 के लोकसभा चुनाव में रॉबर्ट्सगंज के मतदाताओं ने सभी प्रत्याशियों को खारिज कर नोटा का बटन दबाने में यूपी में पहला स्थान पाकर चौंकाया था। इस बार पूरे प्रदेश में करीब 6.36 लाख मतदाताओं ने नोटा दबाया। इसमें पूर्वांचल की 13 लोकसभा सीटों पर नोटा को वोट देने वालों की संख्या 1,20,931 है। पिछले चुनाव की तुलना में इस बार नोटा को करीब 5,000 ज्यादा वोट मिले। इसी कड़ी रॉबर्ट्सगंज के मतदाता यूपी फिर पहले नंबर पर हैं। टॉप-5 सूची में मीरजापुर 15,049 नोटा के साथ मीरजापुर तीसरे स्थान पर है। पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 8,478 मतदाओं ने नोटा का इस्तेमाल किया। भदौही में 11,229, जौनपुर में 6,329, गाजीपुर में 9,065, मछलीशहर में 9,303, बलिया में 8,187, घोसी में 3,518, आजमगढ़ में 6,234 मतदाताओं ने नोटा को चुना। पोस्टल बैलेट देने वाले मतदाताओं ने भी नोटा को चुना।

हार की जिम्मेदारी ले रहा हूं.....लेकिन निराश होने वाला नहीं : फडणवीस

मुंबई । लोकसभा चुनाव-2024 के परिणाम आने के बाद इसकी समीक्षा चल रही है। 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में भाजपा का प्रदर्शन इस बार उम्मीद से काफी खराब रहा। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने पार्टी के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेकर पद छोड़ने की पेशकश की थी। इसी कड़ी में शुक्रवार देर शाम फडणवीस की केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात भी हुई थी। मुलाकात के बाद शनिवार को फडणवीस ने कहा कि सफलता के अनेक बाप होते हैं, जबकि पराजय का एक ही होता है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने पद छोड़कर पार्टी के लिए काम करने की पेशकश की, उस अन्य तरीके से लिया गया। मैंने महाराष्ट्र में हार की जिम्मेदारी ली थी, लेकिन मैं निराश होने वाला नहीं हूं।

योगी ने ली बैठक....दोनों डिप्टी सीएम नदारद

होने लगी सियासी चर्चा

लखनऊ । यूपी में लोकसभा चुनाव में भाजपा की करारी हार के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा ने यूपी लोकसभा की सीटों पर मिली हार पर मंथन करना शुरु कर दिया है। संगठन के लोग आंतरिक सर्वे कर हार की सही वजह भी तलाश रहे हैं। लेकिन इस बीच बड़ी खबर लखनऊ से आई जहां सीएम योगी की बैठक में प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम नदारद रहे। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य सीएम योगी की बैठक में दिखाई नहीं दिए। इसके बाद से ही सियासी अटकलें तेज हो गई हैं। बताया जा रहा है कि यूपी के दोनों डिप्टी सीएम दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। बता दें कि बीते शुक्रवार को दिल्ली में भाजपा-एनडीए के नेताओं की बैठक थी। इसलिए दोनों डिप्टी सीएम दिल्ली गए हुए थे। वहां से दोनों वापस नहीं लौटे और दिल्ली में ही रुके हुए हैं। बताया जा रहा है कि दोनों डिप्टी सीएम पीएम मोदी की शपथ समारोह में शामिल होने वाले हैं।

तमिलनाडु में बढ़ता जा रहा है, भाजपा का प्रभाव

- पहली बार तमिलनाडु में 11.2 फ़ीसदी वोट भाजपा को मिले

चेन्नई । 2024 के लोकसभा चुनाव में पहली बार भारतीय जनता पार्टी को 11.2 फ़ीसदी वोट मिले हैं। इस बार अन्ना डीएमके ने भाजपा के साथ गठबंधन नहीं किया। यदि अन्ना डीएमके और भाजपा साथ मिलकर लड़ी होती, तो तमिलनाडु की 13 सीटों पर इन्हें सफलता मिल सकती थी। 13 सीटों पर भाजपा और अन्ना डीएमके के वोट यदि मिला दिए जाएं, तो वह डीएमके के वोट से ज्यादा हैं। धर्मपुरी, विरुद्नगर,नमक्कल, तेनकाशी,तिरूपुर, कोयंबटूर, विल्लुपुरम, कृष्णागिरी, चिदंबरम, सलेम,अरणी, कुड्डलोर तथा कालाकुर्ची लोकसभा सीट में डीएमके की जीत हुई है। इन लोकसभा सीट में अन्ना डीएम के और भाजपा के वोट मिला दिए जाए,तो यह डीएमके को मिले वोटो से ज्यादा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई